(स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं निर्भीक राष्ट्रीय हिन्दी समाचार पत्र)

हिन्दी दैनिक

बुद्ध का संदेश

लखनऊ,कानपुर,कन्नौज,बरेली,सीतापुर,सोनभद्र,गोण्डा,बाराबंकी,बलरामपुर,श्रावस्ती,बहराइच,अम्बेडकरनगर,फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर,गोरखपुर,कुशीनगर,देवरिया,महराजगंज,सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

दबंग 4 का निर्देशन करेंगे तिग्मांशु ...8

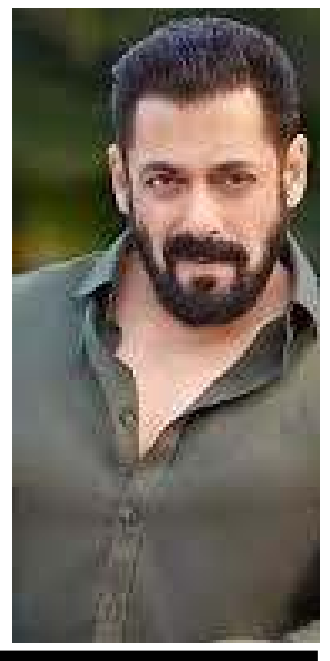

बुधवार, 05 जनवरी 2022 सिद्धार्थनगर संस्करण | www.budhakasandesh.com | वर्षः 09 अंकः 17 पृष्ठ 8 आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

लखनऊ सुचीबद्ध कोड– SDR-DLY-6849, डी.ए.वी.पी.कोड–133569 | सम्पादकः राजेश शर्मा | उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

गलवान में चीनी चाल का भारत ने दिया मुंहतोड़ जवाब

पिछले कई दिनों से चीन और भारत के बीच टकराव की स्थिति लगातार देखी जा रही है। हाल में ही चीनी सैनिकों ने प्रोपेगेंडा के तहत अपना झंडा फहराते हुए एक वीडियो जारी किया था। जिसके बाद चीनी यूजर्स की ओर से यह दावा किया गया था कि उनकी सेना ने गलवान में अपना झंडा लहरा दिया है। हालांकि गलवान पॉइंट से यह क्षेत्र काफी दूर था और चीन का यह प्रोपेगेंडा पूरी तरह से झूठा साबित हुआ। लेकिन भारतीय सेना ने चीन को मुंहतोड़ जवाब देने की कोशिश की है। दरअसल, चीनी सैनिकों के झंडा फहराने वाले वीडियो के वायरल होने के बाद अब भारतीय जवानों की भी कुछ तस्वीरें सामने आई हैं। इन तस्वीरों में भारतीय जवान गलवान में अपना तिरंगा झंडा फहराते आ रहे हैं। मौका था नववर्ष के उत्सव का। जैसे ही यह खबर चीन को मिली उसके पसीने छूटने लगे। आपको बता दें कि 2020 में भारत और चीन के बीच गलवान घाटी में खूनी झड़प हुई थी। इसके बाद दोनों ही देशों के बीच तल्खी बढ़ गई। चीनी सैनिकों द्वारा झंडा फहराने के वीडियो को वायरल किए जाने के बाद भारत में विपक्ष सरकार पर हमलावर हो गया। हालांकि यह बात भी जल्द ही साफ हो गया कि जो वीडियो दिखाया गया है वह एलएसी पर चीन की तरफ का है। जवाब में भारतीय जवान बर्फ से ढकी चोटी पर

तिरंगे को फहराते हुए शान से खड़े नजर आ रहे हैं। जाहिर सी बात है कि इस तरह की तस्वीरें चीन को डरा सकती हैं। भारतीय सेना की इन तस्वीरों से यह तो साफ हो ही गया कि गलवान घाटी में भारत की स्थिति कितनी मजबूत हुई है। राहुल का प्रधानमंत्री पर निशानाः कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के निकट पैंगोंग सो (झील) पर चीन द्वारा पुल का निर्माण किए जाने संबंधी खबरों को लेकर मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा और कहा कि उनकी 'खामोशी' की गूंज बहुत तेज है। उन्होंने एक खबर का हवाला देते हुए ट्वीट किया, "प्रधानमंत्री की खामोशी की गूंज बहुत तेज है। हमारी जमीन, हमारे लोग और हमारी सीमाएं इससे कहीं बेहतर की हकदार हैं।" कांग्रेस नेता ने जिस खबर का हवाला दिया उसमें दावा किया गया है कि चीन एलएसी के बहुत निकट एक पुल का निर्माण कर रहा है जो झील के उत्तरी किनारे को दक्षिणी किनारे से जोड़ेगा। कांग्रेस महासचिव रणदीप सुरजेवाला ने भी पुल के निर्माण से संबंधित एक खबर को लेकर सरकार और प्रधानमंत्री पर निशाना साधा।

त्रिपुरा को पीएम मोदी ने दिए 3 उपहार

कहा- डबल इंजन की सरकार का कोई मुकाबला नहीं

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अगरतला में महाराज बीर बिक्रम हवाई अड्डे के नए टर्मिनल भवन का उद्घाटन किया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने पहले की सरकारों पर जबरदस्त तरीके से निशाना साधा। प्रधानमंत्री ने कहा कि त्रिपुरा में पहले निर्बाध चल रहे भ्रष्टाचार के वाहन को अब रोक दिया गया है। उन्होंने कहा कि पिछड़ापन एक समय में त्रिपुरा की नियति थी लेकिन राज्य अब महत्वपूर्ण व्यापार गलियारा बन गया है। उन्होंने कहा कि 'डबल इंजन' संवृद्धि का मतलब समृद्धि की ओर एकजुट प्रयास है जिसका उदाहरण त्रिपुरा भी है। इसके साथ ही मोदी ने राज्य को मिशन 100 विद्या ज्योति स्कूलों और त्रिपुरा ग्राम समृद्धि योजना का भी उपहार दिया।

मोदी ने कहा कि डबल इंजन की सरकार का कोई मुकाबला नहीं है। डबल इंजन की सरकार यानि संसाधनों का सही इस्तेमाल। डबल इंजन की सरकार यानि संवेदनशीलता। डबल इंजन की सरकार यानि लोगों के सामर्थ्य को बढ़ावा। उन्होंने कहा कि पहले यहां भ्रष्टाचार की गाड़ी रुकने का नाम नहीं लेती थी और विकास की गाड़ी पर ब्रेक लगा हुआ था। पहले जो यहां सरकार थी उसमें त्रिपुरा के विकास का न विजन ता न ही उनकी नीयत थी, गरीबी और पिछड़ेपन को त्रिपुरा के भाग्य के साथ चिपका दिया गया था। च्ड ने कहा कि 21वीं सदी में भारत को आधुनिक बनाने वाले नौजवान मिलें, इसके लिए देश में नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू की जा रही है।इसमें स्थानीय भाषा में पढ़ाई पर भी उतना ही जोर दिया गया है।त्रिपुरा के विद्यार्थियों को अब मिशन–100 विद्या ज्योति अभियान से भी मदद मिलने वाली है। मोदी ने कहा कि मैंने लाल किले से कहा था कि अब हमें योजनाओं के लाभार्थियों तक खुद पहुंचना होगा। मुझे खुशी है कि आज त्रिपुरा ने इस दिशा में बहुत बड़ा कदम उठाया है। उन्होंने कहा कि कोरोना के इस मुश्किल काल में हमारे युवाओं को पढ़ाई का नुकसान न हो, इसके अनेक प्रयास किए गए हैं। कल से देश भर में 15–18 साल के किशोरों के मुफ्त टीकाकरण का अभियान भी शुरु किया गया है। विद्यार्थी निश्चिंत होकर परीक्षाएं दे पाएं, ये आवश्यक है।जब त्रिपुरा अपने राजत्व के 50 वर्ष पूर्ण कर रहा है, ये संकल्प अपने आप में बहुत बड़ी उपलब्धि है।

कोरोना के बढ़ते मामलों के बीच दिल्ली में वीकेंड कर्फ्यू लागू

सिसोदिया बोले– पूरी क्षमता के साथ चलेंगी बसें और मेट्रो

नयी दिल्ली। कोरोना के बढ़ते मामलों के बीच में राष्ट्रीय राजधानी में शनिवार और रविवार को वीकेंड कर्फ्यू रहेगा। उपमुख्मयंत्री मनीष सिसोदिया ने बताया कि आज डीडीएमए की बैठक में सरकार ने फैसला लिया है कि दिल्ली में शनिवार और ग्रविवार को कर्फ्यू रहेगा। इसके अलावा सभी सरकारी दफ्तरों में जरूरी सेवाओं को छोड़कर सबको दफ्तर आने से मना किया जाएगा और ऑनलाइन या वर्क फ्रॉम होम कराया जाएगा। वहीं प्राइवेट दफ्तर 50 फीसदी क्षमता के साथ काम करेंगे। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार ने फैसला किया है कि बसें और मेट्रो पूरी क्षमता के साथ चलेंगी लेकिन बसों और मेट्रो में बिना मास्क के लोगों को प्रवेश नहीं दिया जाएगा। इसी बीच स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन का भी

बयान सामने आया। समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने बताया कि दिल्ली में आज लगभग 5,500 मरीज पॉजिटिव आने की उम्मीद है और पॉजिटिविटी रेट लगभग 8.5 फीसदी होगा। दरअसल, सोमवार को कोविड–19 के 4,099 पॉजिटिव मामले सामने आए थे और संक्रमण दर 6.46 प्रतिशत दर्ज की गई थी। मुख्यमंत्री केजरीवाल को हुआ कोरोनाः मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल कोरोना संक्रमण का शिकार हो गए हैं। उन्होंने ट्वीट कर खुद इसकी जानकारी दी। उन्होंने एक ट्वीट में लिखा कि मैं कोरोना वायरस से संक्रमित पाया गया हूं। मामूली लक्षण हैं। घर पर ही पृथक रह रहा हूं। पिछले कुछ दिनों में मेरे सम्पर्क में आए लोग, कृपया खुद को दूसरों से दूर रखें और जांच कराएं।

कोरोना के बढ़ते मामलों के बीच इस राज्य में भी लगा नाइट कर्फ्यू

50 प्रतिशत क्षमता के साथ खुलेंगे सिनेमा-हॉल

चंडीगढ़। कोरोना संक्रमण के बढ़ते प्रसार के बीच में पंजाब सरकार ने नगर निगम क्षेत्रों में नाइट कर्फ्यू लगा दिया है। इसी के साथ ही पंजाब सरकार ने लोगों से मास्क लगाना, शारीरिक दूरी जैसे नियमों का पालन करने की अपील की। आपको बता दें कि पंजाब के नगर निगम क्षेत्रों में रात 10 बजे से सुबह 5 बजे तक नाइट कर्फ्यू लागू रहेगा। इस दौरान जरूरी सेवाओं से जुड़े लोगों के अलावा किसी और को घर से निकलने की अनुमति नहीं होगी। 50: क्षमता के साथ खुलेंगे सिनेमा–हॉलः कोरोना के बढ़ते मामलों के बीच पंजाब सरकार ने एहतियातन बार, सिनेमा हॉल, मॉल, रेस्तरां, स्पा को 50 फीसदी क्षमता के साथ खोलने का आदेश दिया है। इसके साथ ही इनके पूरे स्टॉफ का वैक्सीनेशन पूरा होना चाहिए। इसके अलावा सरकारी और प्राइवेट कंपनियों के कर्मचारियों को पूरी तरह से वैक्सीनेटेड होना पड़ेगा, तभी वो अपने ऑफिस जा सकेंगे। ये तमाम पाबंदियां पंजाब में 15 जनवरी तक जारी रहेंगी। पंजाब में पिछले कुछ दिनों में संक्रमण के मामलों में काफी वृद्धि देखी गई है। राज्य में अभी तक कोरोना संक्रमण के 6,05,922 मामले सामने आए हैं और वायरस के चस 16,651 लोगों की मौत हुई है।

मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड का फरमान

मुस्लिम बच्चे स्कूलों में न करें सूर्य नमस्कार!

नयी दिल्ली। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने मंगलवार को कहा कि सूर्य नमस्कार के कार्यक्रमों में मुस्लिम समुदाय के बच्चों को शामिल नहीं होना चाहिए, क्योंकि सूर्य की उपासना करना इस्लाम धर्म के मुताबिक सही नहीं है। पर्सनल लॉ बोर्ड के महासचिव मौलाना खालिद सैफुल्लाह रहध्मानी ने यह भी कहा कि सरकार को इससे जुड़ा 'दिशानिर्देश' वापस लेकर देश के धर्मनिरपेक्ष मूल्यों का सम्मान करना चाहिए। मौलाना रहमानी ने एक बयान में कहा, " भारत एक धर्मनिरपेक्ष, बहु–धार्मिक और बहु–सांस्कृतिक देश है। इन्हीं सिद्धान्तों के आधार पर हमारा संविधान बनाया गया है। संविधान हमें इसकी अनुमति नहीं देता है कि सरकारी शिक्षण संस्थानों में किसी धर्म विशेष की शिक्षाएं दी जाएं या किसी विशेष समूह की मान्यताओं के आधार पर समारोह आयोजित किये जाएं।" उन्होंने दावा किया, "यह अत्यन्त दुर्भाग्यपूर्ण है कि वर्तमान सरकार इस सिद्धांत से भटक रही है

और देश के सभी वर्गों पर बहुसंख्यक समुदाय की सोच और परंपरा को थोपने का प्रयास कर रही है।" रहमानी के अनुसार, "भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय ने 75वें स्वतन्त्रता दिवस के अवसर पर 30 राज्यों में सूर्य नमस्कार की एक परियोजना चलाने का निर्णय किया है, जिसमें 30 हजार स्कूलों को पहले चरण में शामिल किया जाएगा। 1 जनवरी से 7 फरवरी 2022 तक के लिए यह कार्यक्रम प्रस्तावित है और 26 जनवरी को सूर्य नमस्कार पर एक संगीत कार्यक्रम की भी योजना है।" उन्होंने कहा, "सूर्य नमस्कार सूर्य की पूजा का एक रूप है, इस्लाम और देश के अन्य अल्पसंख्यक न तो सूर्य को देवता मानते हैं और न ही उसकी उपासना को सही मानते हैं। इसलिए सरकार का यह कर्तव्य है कि वह ऐसे निर्देशों को वापस ले और देश के धर्मनिरपेक्ष मूल्यों का सम्मान करे। हां, यदि सरकार चाहे तो देश–प्रेम की भावना को उभारने हेतु बच्चों से राष्ट्रगान पढ़वाए।" मौलाना रहध्मानी ने कहा कि मुस्लिम बच्चों के लिए सूर्य नमस्कार जैसे कार्यक्रमों में सम्मिलित होने की बिल्कुल भी अनुमति नहीं है और इससे बचना आवश्यक है। गौरतलब है कि शिक्षा मंत्रालय ने 16 दिसंबर, 2021 के अपने एक पत्र के माध्यम से कहा है कि 'आजादी का अमृत महोत्सव' के बैनर तले 'राष्ट्रीय योगासन खेल परिसंघ' ने फैसला किया है कि एक जनवरी से सात फरवरी, 2022 तक 75 करोड़ सूर्य नमस्कार की परियोजना चलाई जाएगी। इसमें यह भी कहा गया है कि 26 जनवरी, 2022 को सूर्य नमस्कार पर संगीत कार्यक्रम की योजना भी है।

यस बैंक का शुद्ध ऋण दिसंबर के अंत तक चार प्रतिशत बढ़कर 1,76,422 करोड़ रुपये पर

नयी दिल्ली। यस बैंक का शुद्ध ऋण या अग्रिम 31 दिसंबर, 2021 तक लगभग चार प्रतिशत बढ़कर 1,76,422 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। यह शुद्ध अग्रिम का शुरुआती आंकड़ा है। बैंक ने मंगलवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि 31 दिसंबर, 2020 तक उसका शुद्ध ऋण 1,69,721 करोड़ रुपये था। बैंक द्वारा जारी अस्थायी आंकड़ों के अनुसार, 31 दिसंबर को समाप्त तिमाही के दौरान सकल खुदरा ऋण वितरण 9,233 करोड़ रुपये पर पहुंच गया, जो इससे एक साल पहले की इसी तिमाही में 7,470 करोड़ रुपये था। यस बैंक ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि दिसंबर, 2021 के अंत में बैंक की जमा सालाना आधार पर 26 प्रतिशत बढ़कर 1,84,289 करोड़ रुपये हो गई। एक साल पहले की इसी अवधि में यह 146,233 करोड़ रुपये थी। वही बैंक का ऋण से जमा अनुपात 31 दिसंबर, 2021 तक 95.7 प्रतिशत पर आ गया, जबकि एक साल पहले की समान अवधि में यह 116.1 प्रतिशत था।

बीजेपी के चक्का जाम पर केजरीवाल सरकार का पलटवार, मनीष सिसोदिया बोले– भाजपा का शराब माफिया से गहरा नाता

दिल्ली सरकार की नई आबकारी नीति के खिलाफ भारतीय जनता पार्टी के श्चक्का जामश विरोध ने सोमवार को आम आदमी पार्टी की निंद उड़ा दी। काफी समय बाद भाजपा को दिल्ली में सरकार के खिलाफ कोई ऐसा मुद्दा मिला हैं जिस पर वह केजरीवाल सरकार को घेरना का एक मौका भी नहीं छोड़ना चाहती। दिल्ली सरकार की नई आबकारी नीति के खिलाफ भारतीय जनता पार्टी के श्चक्का जामश विरोध ने सोमवार को आम आदमी पार्टी की निंद उड़ा दी। काफी समय बाद भाजपा को दिल्ली में सरकार के खिलाफ कोई ऐसा मुद्दा मिला हैं जिस पर वह केजरीवाल सरकार को घेरना का एक मौका भी नहीं छोड़ना चाहती। भाजके के विरोध प्रदर्शन को लेकर दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने विरोध कर रही भाजपा पर पलटवार करके गंभीर आरोप लगाया है। भाजपा के शराब माफियाओं से गहरा संबंध–सिसोदिया : उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने भाजपा पर विरोध के बहाने शहर की सड़कों पर षुंडागर्दी करने का आरोप लगाया। एक बयान में सिसोदिया ने आरोप लगाया कि भाजपा के दिल्ली के शराब माफिया के साथ "पुराने संबंध" हैं और वे अपनी जेब भरने के लिए राज्य के राजस्व के 3,500 करोड़ रुपये "लूट" रहे हैं। भाजपा दिल्ली की सड़कों पर गुंडागर्दी कर रही है, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुँचा रही है क्योंकि उनकी सरकार ने

चोरी के स्रोत को बंद कर दिया है। उनके इस तरह विरोध करके आम जनता को परेशान करने के लिए जनता उन्हें माफ नहीं करेगी। भाजपा को दिल्ली की जनता कभी माफ नहीं करेगी– सिसोदिया : सिसोदिया ने बयान में कहा कि दुकानों के आवंटन की पिछली प्रणाली त्रुटिपूर्ण थी। कई वार्डों में 10 से 15 शराब की दुकानें थीं और कुछ में तो बिल्कुल भी नहीं. "पहले, लगभग 2,000 अवैध शराब की दुकानें थीं। दिल्ली में अवैध शराब पर कार्रवाई करते हुए करीब सात लाख अवैध शराब की बोतलें जब्त की गईं। इसके अलावा, 1,864 प्राथमिकी और 1,000 वाहन जब्त किए गए। यह कहते हुए कि दिल्ली में शराब की दुकानों की संख्या नहीं बढ़ी है, उन्होंने कहा कि केजरीवाल सरकार की नई आबकारी नीति ने 3,500 करोड़ से अधिक की श्राजस्व चोरीश को रोक दिया। उन्होंने कहा कि दिल्ली की दो करोड़ जनता श्भाजपा की हिंसाश से बहुत दुखी है। सिसोदिया ने कहा कि लोग इस शर्मनाक प्रदर्शन के लिए भाजपा को कभी माफ नहीं करेंगे। दिल्ली बीजेपी के श्चक्का जामश से ट्रैफिक जाम दिल्ली भाजपा कार्यकर्ताओं ने सोमवार को सरकार की नई आबकारी नीति के खिलाफ ष्चक्का जामष का विरोध किया और राष्ट्रीय राजधानी में विभिन्न स्थानों पर सड़कों को अवरुद्ध कर दिया, जिससे महत्वपूर्ण हिस्सों पर यातायात बाधित हो गया। विरोध के चलते जाम की समस्या से राहगीरों को काफी परेशानी हुई। विरोध से प्रभावित होने वाली प्रमुख सड़कों में आईटीओ क्रॉसिंग, लक्ष्मी नगर से आईटीओ तक विकास मार्ग, अक्षरधाम मंदिर के पास सड़क, राष्ट्रीय राजमार्ग 24, नोएडा–दिल्ली लिंक रोड, बहादुर शाह जफर मार्ग, मदर डेयरी रोड और सिग्नेचर ब्रिज शामिल हैं।

ई पॉस मशीन में अंगूठा लगवाने के बावजूद कोटेदार नहीं दे रहा खाद्यान्न

नाराज कार्ड धारको ने पूर्ति निरीक्षक को दर्ज कराया अपने बयान

मिल्कीपुर–अयोध्या। सरकार भले ही राशन वितरण प्रणाली में पारिदर्शिता लाने के लिए लाख जतन कर रही हो लेकिन सस्ते गल्ले की दुकानों में वितरण में अनियमितताओं को लेकर व्याप्त भ्रष्टाचार समाप्त होने का नाम नहीं ले रहा है। ग्रामीण क्षेत्र में दुकानों के संचालक कोटेदार कार्ड धारकों से ईपास मशीन में अंगूठा तो लगवा रहे हैं, लेकिन उन्हें राशन वितरण नहीं कर रहे हैं। ऐसा ताजा मामला मिल्कीपुर तहसील क्षेत्र अंतर्गत हैरिग्टगंज विकासखंड के ग्राम पंचायत केशवपुर चिलबिली का प्रकाश में आया है। जहां के ग्रामीण कार्ड धारकों ने गांव के कोटेदार पर राशन न वितरित करने का आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री पोर्टल सहित 1076 पर शिकायत दर्ज कराया था। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए पूर्ति निरीक्षक मिल्कीपुर मुईद खान . केशवपुर चिलबिली गांव के ग्रामीणों का बयान दर्ज करने पहुंचे तो बड़ी संख्या में आक्रोशित राशन कार्ड धारक राशन न मिलने की बयान बाजी करने लगे। कोटेदार की हरकतों से नाराज कार्ड धारकों ने कहा कि कोटेदार द्वारा ईपास मशीन पर अंगूठा तो लगभग एक सप्ताह पूर्व लगवा लिया गया था लेकिन अभी तक द्वितीय चरण के खाद्यान्न का वितरण नहीं किया गया है। ग्रामीणों का बयान दर्ज करने के बाद पूर्ति निरीक्षक ने कोटेदार के स्टॉक रजिस्टर को अपने कब्जे में लेते हुए स्टाक का सत्यापन किया तो सत्यापन में मात्र 60 बोरी चावल मिला। जबकि दिसंबर माह के द्वितीय चरण में 61 बोरी गेहूं व 40 बोरी चावल का उठान कोटेदार द्वारा किया गया है। कोटेदार ने बताया कि प्राप्त स्टॉक में 10 बोरी चावल आंगनबाड़ी का है। मांगे जाने पर कोटेदार द्वारा वितरण रजिस्टर उपलब्ध नहीं कराया गया। जिससे यह स्पष्ट नहीं हो सका कि कितना राशन वितरित हुआ है, कितना अभी अवशेष है। उठान किए हुए खाद्यान्न व स्टॉक सत्यापन में मिले राशन में अंतर होना ही यह प्रदर्शित करता है कि कोटेदार द्वारा भारी अनियमितता बरती गई है। वहीं दूसरी ओर मामले में उचित दर विक्रेता शांति देवी से बात की गई तो बताया कि मशीन में अंगूठा लगवा लिया है, कहीं से भी व्यवस्था करके सब को राशन वितरित कर दिया जाएगा।

सरकार अपना विकास टीवी और अखबारों में कर रही हैः कमलेश निरंजन

गोण्डा।आज कमलेश निरंजन वर्मा सपा सम्भावित प्रत्यासी मेहनौन द्वारा अपने लगातार चौपाल कार्यक्रम में विधानसभा क्षेत्र 295 मेहनौन के ग्राम गनवरिया में जनसंपर्क किया जिसमे उनके सहयोगी कार्यकर्ता विनोद कुमार पूर्व प्रधान,सुरेश कुमार वर्मा,, जिलाजीत ,,तुलाराम सोनकर,संजय सोनकर, विनोद जी,राहुल, विजय कुमार सोनकर, असगर अली,सुजीत मिश्रा,राम किशुन,लालाराम, नानबाबू , संजय वर्मा,बृजेश,अजय, अमरजीत, पवन, आदि उपस्थित रहे। कमलेश निरंजन वर्मा जी ने सभा को सम्बोधित करते हुए कहा मौजूदा सरकार में महंगाई,चोरी,अपराध, भ्रष्टाचरम सीमा पर है किसानों आय दोगुनी कौन कहे आधी हो गयी है सरकार किसानों, मजदूरों,महिलाओ,छात्रों ,बेरोजगारों को केवल लाली पाप दे रही है,15–20 वर्षो के मुद्दों को लाकर हिन्दू मुसलमानों को लड़ाने का कार्य कर रही है सरकार स्वयं एयरपोर्ट सहित अन्य संस्थानों को बेच दी है या फिर बेचने की योजना बना कर गरीबो गरीब और अमीरों को अमीर कर रही है । वो अपना विकास कार्य को जब कुछ किया नही तो बताये क्या,केवल जनता के पैसे को अखबार और टीवी चौनल में विज्ञापन में खर्च कर विकास कर रही है । जबकि गरीब रोजी रोटी को तरस रहा है। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जो 5 वर्ष पूर्व कर चुके है उसका नकल कर रहे है।

विधायक ने पुस्तकालय कक्ष व शौचालय का किया लोकार्पण

मिल्कीपुर–अयोध्या। मिल्कीपुर तहसील परिसर में नवनिर्मित अधिवक्ता पुस्तकालय कक्ष एवं शौचालय का लोकार्पण मिल्कीपुर विधायक गोरखनाथ बाबा द्वारा किया गया। लोकार्पण कार्यक्रम में पहुंचे विधायक श्री बाबा ने मिल्कीपुर तहसील के समस्त अधिवक्ताओं को कलाई घड़ी देकर सम्मानित भी किया। लोकार्पण कार्यक्रम के दौरान विधायक ने अधिवक्ता सभागार में अधिवक्ताओं सहित वादकारियों के बैठने के लिए पर्याप्त मात्रा में कुर्सियों की व्यवस्था कराए जाने का ऐलान किया। तहसील परिसर में 10 लाख 81 हजार रुपए की लागत से नवनिर्मित पुस्तकालय कक्ष एवं 4 लाख 40 हजार रुपए की लागत से निर्मित कराए गए शौचालय का लोकार्पण कार्यक्रम अधिवक्ता संघ मिल्कीपुर की ओर से आयोजित किया गया कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे विधायक गोरखनाथ बाबा ने पुस्तकालय कक्ष एवं शौचालय का लोकार्पण किया। अधिवक्ता सभागार में आयोजित कार्यक्रम में पहुंचे विधायक श्री बाबा का मिल्कीपुर के अधिवक्ताओं ने फूल मालाओं से स्वागत सत्कार किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक गोरखनाथ बाबा ने प्रदेश सरकार द्वारा अधिवक्ताओं के कल्याणार्थ चलाई गई योजनाओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने भाजपा सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए मौजूद अधिवक्ताओं से आगामी 2022 के विधानसभा चुनाव में भारी बहुमत के साथ एक बार फिर से प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में सरकार बनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वरिष्ठ भाजपा नेता राम सजीवन मिश्रा एवं भाजपा जिला महामंत्री राधेश्याम त्यागी ने सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए अधिवक्ताओं के हितार्थ सरकार द्वारा किए गए प्रयास एवं कार्यों को सराहा। समारोह को संबोधित करते हुए अधिवक्ता संघ अध्यक्ष शिवराज त्रिपाठी ने विधायक द्वारा अधिवक्ताओं हेतु निर्मित कराए गए अधिवक्ता पुस्तकालय कक्ष एवं शौचालय पर आभार जताते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया। समारोह को अधिवक्ता संघ महामंत्री एमपी सिंह एवं उपाध्यक्ष अमित तिवारी ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से तहसीलदार हेमंत गुप्ता, व्यापारी नेता अरुण गुप्ता, शीतला प्रसाद बाजपेई, महेश ओझा, राघवेंद्र सिंह विक्की, अधिवक्ता शंभू नाथ त्रिपाठी, पवन कुमार शुक्ला, अशोक कुमार श्रीवास्तव, हरिमोहन शंकर श्रीवास्तव, रमेश पांडे, अनिल पाठक, राजेंद्र प्रसाद चौरसिया दयानंद पांडे, स्वामीनाथ उपाध्याय, अमरजीत सिंह, प्रहलाद तिवारी, साहब लाल जायसवाल, प्रधान पवन पांडे, विवेक पांडे सहित समस्त अधिवक्ता एवं सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

15 से 18 वर्ष आयु के लोगों का कोविड वैक्सीनेशन शुरू

गोण्डा।डीएम मार्कण्डेय शाही ने जीजीआईसी कालेज में कोविड वैक्सीनेशन के सम्बन्ध में आयोजित प्रेसवार्ता में जनपद के समस्त विद्यालय प्रबन्धकों एवं जनसामान्य से अपील करते हुए कहा है कि 16 जनवरी 2021 से कोविड–19 टीकाकरण सभी आयु वर्ग के जनमानस हेतु चरणबद्ध रुप से संचालित हो रहा है। प्रदेश में 03 जनवरी 2022 से 15 से 18 वर्ष के आयु वर्ग के बच्चों को कोविड की वैक्सीन से आच्छादित करने का काम शुरू कर दिया गया है। वैक्सीनेशन का औपचारिक शुभारम्भ करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि यह आच्छादन सम्पूर्ण जनपद में विशेष सीवीसी (कोविड वैक्सीनेशन सेन्टर) के माध्यम से आयोजित किया जाएगा। यह टीकाकरण केवल को वैक्सीन के दोनों डोज (28 दिन के अंतर पर) से आच्छादित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रत्येक डोज 0.5 एमएल की ही होगी।

खड़ंजा मार्ग पर सीमेंट का पिलर लगाते हुये बांस बल्ली बांधकर दबंगों ने ग्रामीणों का रास्ता किया बंद

गोंडा। खड़ंजा मार्ग पर सीमेंट का पिलर लगाते हुये बांस बल्ली बांधकर दबंगों ने ग्रामीणों का रास्ता बंद कर दिया है। प्रकरण कोतवाली करनैलगंज अंतर्गत ग्राम गोनवा के मजरा बाबू पुरवा से जुड़ा है। एक मात्र खड़ंजा मार्ग पर काफी समय पूर्व ग्राम पंचायत द्वारा खड़ंजा लगवाया गया था। शाम को गांव के ही कुछ दबंग किस्म के लोग बलपूर्वक गांव को जाने वाले खड़ंजा मार्ग को अवरुद्ध करने लगे। मना करने पर गाली व जान से मार डालने की धमकी देते हुये लाठी व भाला लेकर दौड़ा लिये। आरोप है कि दबंगो ने खड़ंजा मार्ग पर सीमेंट का पिलर स्थापित कर दिया और उसमें बांस बल्ली बांधकर गांव को जाने वाले मार्ग को बंद कर दिया है।

विधायक ने कामख्या धाम परिक्रमा मार्ग का किया लोकार्पण

रूदौली–अयोध्या। । सिद्धपीठ माँ कामाख्या धाम पर परिक्रमा मार्ग का भाजपा विधायक रामचन्द्र यादव ने लोकार्पण किया।साथ ही स्वयंभू नारायण मंदिर का भूमिपूजन भी किया।सिद्धपीठ मा कामाख्या धाम का चौमुखी विकास के लिए परिक्रमा मार्ग का लोकार्पण किया गया। विधायक ने कहा कि माता जी के दरबार आने वाले श्रद्धालुओं के लिए सड़क मार्ग व परिक्रमा मार्ग बना दिया गया है।सिद्धपीठ कामाख्या धाम आने में अब श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की समस्या नही होगी। केंद्र की मोदी व प्रदेश की योगी सरकार चौमुखी विकास के लिए संकल्पित है।मंदिर परिसर की जो महिमा व जनमानस की भावना है उसके अनुरूप विकास हो रहा है।कामाख्या धाम को पर्यटन की दृष्टिकोण से योजनाओं से आच्छादित कर विकसित भी किया जा रहा है।इस मौके पर वरिष्ठ भाजपा नेता निर्मल शर्मा,तेज तिवारी,रविकांत तिवारी,अजय शुक्ला,राजेश यादव,भानू यादव,शम्भू सिंह,मन्दिर के पुजारी इन्द्रेश कौशिक जी महाराज,शीतला प्रसाद शुक्ला, संतोष सिंह, राकेश तिवारी,उमा शंकर सिंह,चौकी इंचार्ज प्रदीप यादव सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

व्यापारियों की आपत्तियों को प्राधिकरण सचिव को सौंपा

अयोध्या। व्यापार अधिकार मंच के संयोजक व भाजपा नेता सुशील जायसवाल ने अयोध्या विकास प्राधिकरण की महायोजना 2031 के अंतर्गत प्रस्तावित मास्टर प्लान में आपत्ति के सन्दर्भ में प्राधिकरण के सचिव डा संजीव कुमार से मुलाकात की। उन्होने व्यापारियों द्वारा की गयी आपत्तियों को प्राधिकरण के सचिव को सौंपा। व्यापारी नेता सुशील जायसवाल ने बताया कि प्रस्तावित मास्टर प्लान में नियांवा से बेनीगंज, गांधी पार्क से चौक, चौक से फतेहगंज 30 मीटर, फतेहगंज से मकबरा, मकबरा से नाका, डाकखाना चौराहे से देवकाली 45 मीटर, रिकाबगंज से कसाबबाड़ा 30 मीटर प्रस्तावित है। बेनीगंज से देवकाली तिराहा, टेढ़ी बाजार से श्रीराम अस्पताल 45 मी व श्रीराम अस्पताल से नया घाट 30 मीटर प्रस्तावित है। उन्होने बताया कि इसको लेकर आपत्ति प्रस्तुत की गयी कि इसमें हजारो व्यापारियों के प्रतिष्ठान व आवासीय मकान है। इसको लेकर आवश्यकतानुसार 20 से 25 प्रतिशत ही बढ़ाया जाय। जहां पैदल पथ न हो वहां पर पैदल पथ का निर्माण कर आवागमन सुगम किया जाय। सड़को के किनारे मार्ग अवरुद्ध करने वाले बिजली के खम्भो एवं तारों के जंजाल को जमीन के भीतर से ले जाया जाय। जाम लगने वाले स्थानों पर फ्लाईओवर बनाया जाय। सम्भव हो तो इनर फ्लाई ओवर रिंग रोड बनाकर उसे आउटर से रोड से जोड़ा जाय। शहर के मुख्य व्यापारिक मार्ग पर पाकिंग की व्यवस्था की जाय एवं मुख्य मार्ग को व्यवसायिक क्षेत्र घोषित किया जाय। ई रिक्शा व टैम्पों के स्टैण्ड की व्यवस्था की जाय तथा उनकी संख्या को निर्धारित किया जाय। वेडिंग जोन बनाकर पटरी दुकानदारों को स्थापित किया जाय। घोषित डूब क्षेत्र को आवासीय व व्यवसायिक बनाकर शहर को विस्तार दिया जाय। बंधा बन जाने से कोई डूब क्षेत्र नहीं रह गया। रिंग रोड़ को नेशनल हाईवे से जोड़ दिया जाय। नदी के बंधा के किनारे फोर लेन या सिक्स लेन बनाते हुए आउटर रिंग रोड़ व नेशनल हाईवे से इसे जोड़ दिया जाय। इस अवसर पर विश्व प्रकाश रुपन, रमेश जायसवाल, कमल कौशल, प्रशांत जायसवाल, शैलेन्द्र सोनी रामू, राजेश जायसवाल मौजूद रहे।

गाड़ी बाजार मोहल्ले के सौ घरों में पिछले तीन दिनों से बिजली गुल

गोंडा। बिजली विभाग की लापरवाही के कारण नगर के गाड़ी बाजार मोहल्ले के सौ घरों में पिछले तीन दिनों से बिजली गुल है। बिजली विभाग के अधिकारियों से शिकायत करने के वावजूद समस्या का समाधान नहीं हो सकता। करनैलगंज का बिजली विभाग सरकार के मंसूबों पर पानी फेरने में जुटा है। शहरी क्षेत्र में 60 घंटे से अधिक समय से गायब है। करनैलगंज के मोहल्ला गाड़ी बाजार में पिछले तीन दिन पूर्व से आपूर्ति बाधित हो गयी थी मोहल्ले वासियों ने इसकी शिकायत स्थानीय बिजली अधिकारीयों को दी। मगर शिकायत के वावजूद 60 घंटे से अधिक समय बीत जाने के बाद विधुत आपूर्ति बहाल नही हो सकी।

गठबंधन के साथी जब्त कराएंगे भाजपा की समानतः गंगा यादव

सपा के गठबंधन में शामिल दलों के नेताओं की हुई समन्वय बैठक

अयोध्या । गठबंधन के साथी भाजपा की विधानसभा चुनाव में जमानत जब्त कराएंगे उक्त बातें समाजवादी पार्टी कार्यालय लोहिया भवन गुलाबबाड़ी पर समाजवादी पार्टी के गठबंधन में शामिल दलों के नेताओं की समन्वय बैठक में उभर कर आई। बैठक में की अध्यक्षता सपा जिला अध्यक्ष गंगा सिंह यादव और संचालक जिला महासचिव बख्तियार खान ने किया बैठक को संबोधित करते हुए सपा जिला अध्यक्ष गंगा सिंह यादव ने कहां की गठबंधन में शामिल दल मिलकर चुनाव लड़ेंगे और भाजपा की जनपद की पांचो सीटों पर जमानतजब्त कराने का काम करेंगे। बैठक में समाजवादी प्रगतिशील पार्टी लोहिया राष्ट्रीयलोक दल, जनवादी पार्टी सोशलिस्ट ,सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी ,अपना दल कमेरावादी के प्रतिनिधि शामिल हुए। सपा जिला प्रवक्ता चौधरी बलराम यादव ने बताया कि जिला स्तरीय बैठक के बाद विधानसभा स्तर की बैठक की जाएगी बैठक में मुख्य रूप से प्रदीप राजभर अरविंद पटेल रामजीत राजभर राजेश कुमार राजभर राहुल सिन्हा कुलदीप यादव राम सागर पटेल डॉक्टर भागीरथी पटेल रमाकांत गोस्वामी विनायक पटेल छोटेलाल पटेल वीरेंद्र पटेल वेद प्रकाश वर्मा बृजेश पटेल चंद्रकेश पटेल राम सिंगार वर्मा ललित यादव हरिश चंद पटेल अनिल वर्मा साधु शरण चौहान प्रेमचंद चौहान तुला राम राजभर डॉक्टर मलखान राजभर शिव शंकर अवधेश चौहान राजित राम यादव विक्रम पटेल राजित राम पटेल रोहित पटेल पंचनाथ चौहान लव–कुश चौहान अनंतराम चौहान गिरीश चंद्र यादव अमरनाथ यादव सुमित यादव अंकित मौर्य पवन कुमार मनोज योगी रोली यादव चौधरी राम सिंह राजेश कुमार तिवारी अभिषेक यादव चंदन यादव आदि लोग मौजूद रहे।

युवक दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल

गोंडा । मार्ग दुर्घटना में एक व्यक्ति गम्भीर रूप स घायल हो गया। जिसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सक ने लखनऊ ट्रामा सेंटर के लिये रेफर कर दिया है। घटना गोंडा लखनऊ मार्ग स्थित कपूर मोड़ के पास की है। ग्राम रेरुआ के मजरा बरगदहन पुरवा निवासी नृसिंह नरायन 50 साइकिल पर सवार होकर ग्राम कपूरपुर जा रहे थे। कि गोंडा की तरफ से काफी तेज गति से आ रही एक लग्जरी कार ने जोरदार टक्कर मार दिया। जिससे वह सड़क पर गिरकर गम्भीर रूप से घायल हो गये।

सीएमओ ने ओमीक्रांन से निपटने की तैयारियों का लिया जायजा

बीकापुर–अयोध्या। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बीकापुर पर सीएमओ डा. अजय राजा, एसीएमओ राममणि शुक्ला, जिला कार्यक्रम अधिकारी राम प्रकाश पटेल, डीसीपीएम अमित कुमार की जनपद की टीम द्वारा ओमीक्रांन व कोरोना की तीसरी लहर से निपटने के लिए सीएचसीसी पर तैयार की गई व्यवस्था का जायजा लेने पहुंचे और उनके द्वारा ऑक्सीजन प्लांट, कोरोना वार्ड, कोरोना टीका करण, कोरोना जांच समेत ऑपरेशन, ओपीडी इमरजेंसी लैब कक्षों के अलावा महिला वार्ड चिकित्सक कक्ष साफ सफाई का भी जायजा लिया। कुछ कमियां मिलने पर उसे शीघ्र ठीक करने के लिए सीएचसी अधीक्षक को निर्देश दिया। इस मौके पर चिकित्सकों में संत कुमार मौर्या, अशोक कुमार वर्मा, अजय सिंह, अनुराग गुप्ता, महिला चिकित्सक अलंकृता अयान, इसके अलावा चिकित्सा कर्मियों में स्वास्थ्य अधिकारी देव प्रकाश वर्मा, ओटी टेक्निशियन राहुल कुमार यादव,स्वास्थ्य पर्यवेक्षक अखंड प्रताप सिंह शिवम सिंह बीपीएम दीपक तिवारी फार्मासिस्ट में चीफ विजयपाल गिरधारी लाल कनिक राम चौधरी समेत स्टाफ कर्मी शामिल रहे।

महंगाई बेरोजगारी व स्वास्थ्य संकट से जूझ रही जनताः अशोक

अयोध्या। समाजवादी जनता पार्टी चंद्रशेखर में प्रदेश व केंद्र सरकार पर आने वाले विधानसभा चुनाव में पराजय की आशंका से ग्रसित होकर धार्मिक भावनाओं उभारने सांप्रदायिक ध्रुवीकरण भय एवं प्रलोभन तथा झूठे वायदे करने का आरोप लगाते हुए जनता एवं सभी विपक्षी लोकतांत्रिक दलों एवं संगठनों से एकजुट होकर बढ़ती हुई महंगाई बेरोजगारी भ्रष्टाचार अपराध एवं किसानों की दुर्दशा तथा पूंजीवादी देश घाटी जनविरोधी नीतियों के जिम्मेदार सांप्रदायिक सरकार को समूल उखाड़ फेंकने की अपील की है पार्टी के जन अभियान की बैठक को संबोधित करते हुए पार्टी के उत्तर प्रदेश इकाई के अध्यक्ष अशोक श्रीवास्तव ने कहा है कि पिछले लगभग 5 वर्षों में सरकार की पूंजीवादी तानाशाही सांप्रदायिक आचरण के कारण प्रदेश व देश की जनता बुरी तरह महंगाई बेरोजगारी भुखमरी एवं स्वास्थ्य संकट से जूझ रही है और सत्ता में बैठी सरकार जनता की समस्याएं कि न केवल अनदेखी तथा मूकदर्शक बनी है बल्कि पूंजीपतियों निरंकुश एवं भ्रष्ट अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों का हित साधने में लगी है विधानसभा चुनाव निकट आते ही सरकारों ने सरकारी खर्चे पर झूठे प्रचार रैलियां पर जनता की गाढ़ी कमाई का पैसा पानी की तरीके से बहा रहे हैं और तरह–तरह का प्रलोभन एवं झूठे वादे कर रही हैं दूसरे और विरोधी दलों और उनके समर्थकों पर भ्रष्टाचार का तरह तरह से चुनावी छापा के जरिए आरोप एवं भय का वातावरण बनाने का प्रयास किया जा रहा है वही काले धन को खत्म करने तथा 1500000 रुपए हर व्यक्ति के खाते में भेजने और दो करोड़ लोगों को प्रतिवर्ष रोजगार देने का वादा करके आई सरकारों मैं काल धन बेरोजगारी महंगाई अपने चरम सीमा पर पहुंच गए हैं पेट्रोल डीजल गैस से लेकर सभी जरूरी उपभोक्ता वस्तुओं के दाम आसमान छू रहे हैं दूसरी ओर करो ना कॉल मैं सरकार की आपदा में अवसर की पूंजीवादी नीतियों के कारण अपने पूंजी पतियों को तरह तरह से जनता की गाढ़ी कमाई से बनाए गए सरकारी प्रतिष्ठानों को ओने पौने दामों पर देकर कर मालामाल करने की लगातार योजनाएं बनाती जा रही है पार्टी ने सरकार की पिछले 2 वर्षों में करो ना के दौरान लापरवाही एवं दूर व्यवस्था से लाखों लोगों की अकाल मौत तथा करोड़ों लोगों की बेरोजगारी का जिम्मेदार ठहराते हुए कहां है कि करो ना की तीसरी लहर ओमी कौन वेरिएंट की खतरे तथा आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए सरकार द्वारा की जा रही स्वास्थ्य सुविधाओं एवं सावधानियां का खुलासा करें तथा उन्हें सफलतापूर्वक कठोरता के साथ कार्यान्वित करें जिससे कि देश और प्रदेश की जनता को आने वाले संकट से बचाया जा सके बैठक में आगामी 12 जनवरी को भारत के सामाजिक आध्यात्मिक चेतना के अग्रदूत स्वामी विवेकानंद जी की जयंती पर पार्टी द्वारा जन अभियान के अंतर्गत युवा समागम एवं संगोष्ठी आयोजित करने का निश्चय किया गया। बैठक को पार्टी के राष्ट्रीय कार्य समिति के सदस्य मारुत कुमार सिंह जिला अध्यक्ष शिव प्रकाश यादव प्रदेश सचिव अरुण कृष्ण उपाध्याय प्रदेश कोषाध्यक्ष एसएम रूमी जिला महासचिव श्याम प्रकाश प्रजापति मुकेश यादव यावर हुसैन जहीर हसन जितेंद्र संतोष गौड़ सौरभ अग्रवाल विभा शुक्ला शबनम परवीन ज्योति सेन मानसी पुष्कर नाथ श्रीवास्तव ने भी संबोधित किया।

80 किलो के अजगर को वन विभाग की टीम ने जंगल में छोड़ा

मिल्कीपुर–अयोध्या। कुमारगंज रेंज के उधुई गांव में एक विशालकाय अजगर निकल आया। ग्रामीणों के शोर मचाने पर अजगर झाड़ियों में धीरे–धीरे जाकर छिप गया। सूचना पाकर पहुंचे वनकर्मियों ने दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद अजगर को बाहर निकाला। इसके बाद उसे देवगांव जंगल में छोड़ दिया गया है। अयोध्या वन प्रभाग के कुमारगंज रेंज अंतर्गत उधुई ग्राम पंचायत के हरिजन बस्ती गांव में दोपहर बाद में एक विशालकाय अजगर निकल आया। अजगर के फुफकारने की आवाज सुनकर लोगों को जानकारी हुई। काफी संख्या में लोग एकत्रित हो गए। ग्रामीणों ने शोर मचाया। इस पर अजगर लोगों का आरो पाते ही धीरे–धीरे जाकर झाड़ियों में छिप गया। ग्रामीणों ने सूचना पीआरबी पुलिस को दी, सूचना पर पहुंची डायल 112 पुलिस ने पूरे मामले की जानकारी रेंज कार्यालय कुमारगंज पर दी। वन क्षेत्राधिकारी आर पी सिहं के निर्देश पर बीट प्रभारी सूर्यभान सिंह, वाचर अनिल यादव, पवन कुमार गांव पहुंचे। वनकर्मियों ने ग्रामीणों की मदद से अजगर को झाड़ियों से बाहर निकालकर बोरे में भर लिया। इसके बाद उसे देवगांव जंगल में छोड़ दिया गया है। क्षेत्रीय वन दरोगा हौसिला प्रसाद पांडे ने बताया कि अजगर का वजन लगभग 80 किलो और लंबाई लगभग 15 फीट थी। उन्होंने बताया कि ठंड में धूप लेने के लिए अजगर बाहर निकल रहे हैं।

जिले के ई-श्रम कार्ड धारक 1 लाख 66 हजार 811 तथा पंजीकृत एक-एक हजार रुपए की भरण-पोषण भत्ते की धनराशि हस्तांतरित

गोण्डा। प्रदेश के मुख्यमंत्री, योगी आदित्यनाथ जी द्वारा लोक भवन के ऑडिटोरियम से उत्तर प्रदेश के सभी संगठितध्असंगठित 03 करोड़ 81 लाख कामगारों एवं निर्माण श्रमिकों को भरण–पोषण भत्ता वितरण किये जाने की योजना के प्रथम चरण में लगभग 1. 50 करोड़ कामगारों को भरण–पोषण भत्ताधहितलाभ की 500 रूपए प्रतिमाह की दर से 02 माह का 01 हजार रूपए कुल 1500 करोड़ की धनराशि का आनलाइन हस्तांतरण किया गया। वहीं जनपद के ई–श्रम कार्ड धारक 1 लाख 66 हजार 811 पंजीकृत श्रमिकों तथा पंजीकृत एवं नवीनीकृत व आधार वेरीफाइड 69 हजार 775 श्रमिकों के खाते में एक–एक हजार रूपए की धनराशि स्थानान्तरित की गई। मुख्यमंत्री शादी विवाह योजनान्तर्गत गरीब कन्या की शादी के लिए 51000 रू0 दिये जाते हैं। श्रम विभाग में गरीब कन्याओं की शादी के लिए रू0 75000 तक की धनराशि देना प्रारम्भ किया है। विधायक सदर प्रतीक भूषण सिंह द्वारा उ0प्र0 भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार बोर्ड द्वारा पंजीकृत निर्माण श्रमिकां के हितार्थ आपदा राहत योजना, भरण पोषण भत्ता योजना अंतर्गत असंगठित कामगार एवं निर्माण श्रमिकों का प्रतिकात्मक रूप से स्वीकृति प्रमाण पत्र दिया गया।

जिले में यूरिया की नहीं है कमी,787 मीट्रिक टन यूरिया उपलब्ध, 650 मीट्रिक ब्लाकों पर पहुंची

गोण्डा।जिलाधिकारी मार्कण्डेय शाही ने बताया है कि जिले में यूरिया खाद की कोई कमी है। वर्तमान में जिले में 887 मीट्रिक टन यूरिया उपलब्ध है जिसे तत्काल प्रभाव से ब्लाक गोदामों पर भिजवाया जा रहा है। जिलाधिकारी ने यह भी बताया कि मंगलवार शाम तक जिले में यूरिया की तीन और रैक प्राप्त हो जाएगी जिससे यूरिया की समस्या पूरी तरह से समाप्त हो जाएगी। उन्होंने जनपद के किसानों से अपील की है कि यूरिया के लिए परेशान न हों, कल सुबह तक यूरिया ब्लाक गोदामों पर पर्याप्त मात्रा में पहुंच जाएगी।

द्विमासिक बैठक में 22 करोड़ की परियोजनों का हुआ प्रस्ताव

- ब्लॉक परिसर में हुई बैठक में विकास कार्यो की समीक्षा के साथ हुआ नई परियोजनाओं पर प्रस्ताव
- प्रधान संगठन जिलाध्यक्ष डॉ पवन मिश्रा सहित सांसद प्रभारी सूर्य प्रकाश पाण्डेय ने प्रधान व बीडीसी सदस्यों के हक की लड़ाई लड़ने की कही बात

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। शोहरतगढ़ विकास खण्ड के दुग्धशाला सभागार में ब्लॉक प्रमुख प्रीति यादव सहित अन्य पदाधिकारियों की अध्यक्षता में सभी क्षेत्र पंचायत सदस्य एवं सभी ग्राम प्रधानों की द्विमासिक बैठक बुलाई गई, जिमसें वर्तमान में कराए गए कार्य की समीक्षा के साथ आगामी वित्तीय वर्ष की बजट पर भी प्रकाश डाला गया। बैठक को सम्बोधित करते हुए ब्लॉक प्रमुख श्रीमती प्रीति यादव ने नव वर्ष की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि क्षेत्र पंचायत सदस्यों के सम्मान के साथ कभी भी समझौता नहीं किया जाएगा और विकास क्षेत्र में क्षेत्र पंचायत सदस्यों के हक की लड़ाई लड़ी जाएगी।ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि अमित कुमार यादव ने कहा कि क्षेत्र पंचायत सदस्यगण त्रिस्तरीय पंचायत व्यवस्था में विकास की कड़ी है। क्षेत्र पंचायत सदस्यों को साथ लेकर चलने में ही क्षेत्र का विकास होगा। इसके उन्होंने बताया कि वर्तमान सत्र 2021–22 में क्षेत्र पंचायत से 161 कार्य प्रस्तावित है और 3 कार्य विकास से संबंधित पूर्ण भी कराया जा चुका है। शोहरतगढ़ ब्लॉक क्षेत्र अंतर्गत वर्तमान सत्र में 6 आर ओ प्लांट लगाये जा रहे, जिसमे 1 आरओ प्लांट का उद्घाटन शोहरतगढ़ ब्लॉक परिसर में किया जा रहा है, जिसकी लागत 5.67 लाख रुपये की है और नाली एवं इंटरलॉकिंग सहित 7 कार्य रनिंग की स्थिति में है। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि वित्तीय वर्ष 2022–23 में क्षेत्र पंचायत अंतर्गत 22 करोड़ 3 लाख का बजट प्रस्ताव में दिया गया है और मनरेगा योजना से 95 कार्य प्रस्तावित है। इस दौरान प्रधान संगठन जिलाध्यक्ष डॉ पवन मिश्रा ने कहा कि प्रधानों के हक की लड़ाई के लिए प्रधान संगठन सदैव तत्पर है। इसके साथ ही उन्होंने ग्राम पंचायत के विकास विषय पर बिस्तार से अपनी बात कही। सांसद प्रभारी सूर्य प्रकाश पाण्डेय ने बैठक में आये सभी ग्राम प्रधान एवं क्षेत्र पंचायत सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि गाँव एवं क्षेत्र के विकास में ग्राम प्रधान एवं क्षेत्र पंचायत की अहम भूमिका होती है। सांसद जी के मार्गदर्शन में सभी प्रधानों एवं क्षेत्र पंचायत सदस्यों के हक की लड़ाई लड़ी जाएगी। क्षेत्र पंचायत सदस्य संजय मिश्रा ने क्षेत्र सदस्यों की समस्याओं पर चर्चा के साथ कहा कि इन दिनों ठंढ का कहर बढ़ गया है। जनवरी माह को जानलेवा जनवरी भी कहा गया है। ऐसे में क्षेत्र के प्रमुख चौराहों पर अलाव जलवाला आवश्यक है। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा यदि इसमें क्षेत्र पंचायत सदस्यों की जरूरत पड़ेगी, तो हम सभी लोग सहयोग करने को भी तैयार है। खण्ड विकास अधिकारी सतीश सिंह ने कहा कि क्षेत्र के विकास में सभी का सहयोग करने की बात कही। इसके साथ ही प्रधान संगठन के ब्लॉक अध्यक्ष जफर आलम ने ग्राम प्रधानों की आवाज बनने की बात कही। इसके साथ ही खण्ड शिक्षा अधिकारी अभिमन्यु कुमार ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन तकनीकी सहायक पीयूष मिश्रा ने किया।वाटर प्लान्ट का उद्घाटन बना चर्चा का विषय– शोहरतगढ़ ब्लॉक परिसर में वाटर प्लांट का उद्घाटन लोगों के बीच चर्चा का विषय बना रहा। जिसका उद्घाटन खण्ड विकास अधिकारी सतीश सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि श्रीमती प्रीति यादव के ससुर पराग राम यादव ने किया। बताते चले कि शोहरतगढ़ विकास खंड परिसर में पानी की समस्या काफी पुरानी है। पूर्व में ब्लॉक परिसर में जो भी हैंडपंप लगाए जाते थे रिबोर के बाद भी अक्सर वह खराब हो जाता था। कभी कभी तो हैंडपंप के कुछ भाग को उखाड़ कर कहीं रख दिया जाता था जिससे आए दिन ग्राम प्रधान एवं क्षेत्र पंचायत सदस्यों को पेय जल की समस्याओं का सामना करना पड़ता था लेकिन वाटर प्लांट के उद्घाटन से अब लोगों को इस समस्या से जूझना नहीं पड़ेगा लोगों के बीच यह चर्चा का विषय बना रहा है। इस दौरान पराग राम यादव के साथ एपीओ प्रशांत श्रीवास्तव, सचिव राधेश्याम चौधरी, सचिव मोईदुरह्मान, सचिव राम सिंह, सचिव राम स्वरूप गुप्ता, सचिव सन्त अखिलेश्वर, सचिव सुभाष चंद्र, सचिव वृजेश कुमार, सचिव अजय भारतीय, सचिव मनोज प्रभाकर पटेल, सचिव जगजीवन प्रसाद, सचिव मिथलेश, ग्राम विकास अधिकारी (समाज कल्याण) प्रमोद कुमार, सहित ब्लॉक के 64 ग्राम प्रधान एवं 61 क्षेत्र पंचायत सदस्य एवं ब्लॉक के मुस्ताक अहमद, शैलेन्द्र दूबे सहित ब्लॉक के अन्य अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

93 अंक पाकर सिद्धार्थनगर बना सर्व विजेता

सिद्धार्थनगर। भगवान गौतम बुद्ध की धारा पर 03जनवरी से 04 जनवरी तक भारतीय शिक्षा संस्थान विद्या भारती शिशु शिक्षा समिति गोरक्ष प्रांत के तत्वाधान में रघुवर प्रसाद जायसवाल सरस्वती शिशु मंदिर इंटर कॉलेज तेतरी बाजार में आयोजित खेलकूद समारोह संपन्न हुआ। खेलकूद प्रतियोगिता में बाल वर्ग, तरुण वर्ग और किशोर वर्ग के गोरखपुर, बस्ती, देवरिया, मऊ, आजमगढ़ ,बलिया, संत कबीर नगर व सिद्धार्थनगर जिले के कुल दस संकुल के 57 विद्यालय के 350 खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया। भैया बहनों का ऊंची कूद लंबी कूद,भाला फेक, गोला फेक, जैवलिन, 100 मीटर 200 मीटर 400 मीटर 600 मीटर 800 मीटर 1000 मीटर 3000 मीटर लंबी दौड़ की प्रतियोगिताएं हुई ।जिसमें ऑल ओवर चौंपियनशिप में सिद्धार्थनगर 93 अंक पाकर प्रथम स्थान , जीरा बस्ती बलिया 81 अंक पाकर द्वितीय स्थान तथा 78 अंक पाकर रसड़ा को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। सिद्धार्थनगर संकुल को चौंपियन होने का गौरव प्राप्त हुआ ।उत्साही खिलाड़ियों ने दो दिवसीय खेल प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर स्पष्ट कर दिया कि आने वाले समय में क्षेत्रीय स्तर पर विद्यालय व प्रांत का नाम रोशन करेंगे। शहर के स्टेडियम में प्रतियोगिताएं संपन्न हुई । उद्घाटन सत्र में जिलाधिकारी दीपक मीणा बतौर मुख्य अतिथि मौजूद रहे ।समापन सत्र में बतौर अतिथि संबोधित करते हुए बेसिक शिक्षा मंत्री सतीश द्विवेदी ने कहा संस्कार के बिना शिक्षा अधूरी है और देश को आगे ले जाने के लिए संस्कार नौजवान पीढ़ी की बेहद आवश्यकता है ।विद्या भारती युवाओं और बालकों को संस्कारित करने का कार्य कर रही है अत्यंत प्रशंसनीय है। शिक्षा जीवन समझना सिखाती है अगर विद्या देने पर भी सकारात्मक प्रभाव नहीं है तो उसका कोई फायदा नहीं हार और जीत खेल का हिस्सा है इससे मायूस और निराश होने की जरूरत नहीं ,हार से सबक लेकर अधिक मेहनत कर सफलता प्राप्त की जा सकती है। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि एवं प्रांतीय संगठन मंत्री रामय जी ने कहा कि खेल शब्द आते ही मन में उत्साह, आनंद व उमंग का भाव पैदा हो जाता है। प्रतियोगिता का मतलब स्पर्धा होता है। जब स्पर्धा होता है तब व्यक्ति और उर्जा लगाकर काम करता है। हार–जीत जीवन के दो पहलू हैं । इनसे हमें प्रेरणा लेकर आगे बढ़ना है ।जो गिरता है वही उठता है इसलिए जीत और हार का मन का संकोच छोड़ देना चाहिए । इससे इसके पूर्व कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्ज्वलन व पुष्पार्चन कर किया गया। अतिथियों का परिचय कार्यक्रम संयोजक व विद्यालय के प्रधानाचार्य राकेश मणि त्रिपाठी ने कराया । कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के प्रबंधक मुरलीधर अग्रहरी ने अतिथियों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की ।उक्त अवसर पर शिशु शिक्षा समिति (नगरीय) गोरक्ष प्रांत के प्रदेश निरीक्षक कमलेश कुमार सिंह ,प्रांतीय शारीरिक प्रमुख राकेश अग्रहरी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग प्रचारक तुलसीराम ,नगर प्रचारक विनय, शिशु समिति के प्रांतीय मंत्री अक्षय ठाकुर, प्रतिष्ठित व्यापारी अनूप छापडिया, विभाग कार्यवाह शिवमूर्ति, विभाग सेवा प्रमुख दुर्गा राय, विद्यालय प्रबंध समिति के सदस्य मदन मोहन सिंह, स्वामी विवेकानंद शिक्षा समिति के मंत्री विपुल सिंह, संभाग निरीक्षक कन्हैया लाल, सुरेंद्र नाथ त्रिपाठी, प्रधानाचार्य दिवाकर, गोविंद सिंह ,प्रेम सागर ,ज्ञानेंद्र, ज्ञानेश, अंजू चौहान, राजेश कुमार सिंह, पूर्व छात्र परिषद के अनूप पाठक, आदि की उपस्थित उल्लेखनीय रही।

गोवंश संरक्षण अभियान की शुरूआत, बेसहारा गोवंश को मिलेगा संरक्षण

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। प्रदेश स्तरीय निराश्रित गोवंश संरक्षण अभियान के तहत छुटटा और बेसहारा गोवंश के संरक्षण को लेकर जिले के स्टेट नोडल अफसर डॉ. प्रकाश पटेल ने पशुधन प्रसार अधिकारी, नौगढ़ अरुण कुमार प्रजापति के साथ दो अस्थाई गो आश्रय स्थलों

महदेवा लाला और सिरसिया एवं बृहद गौ संरक्षण केंद्र, महरिया का स्थलीय निरीक्षण किया। जहां उन्होंने उपलब्ध सुविधाओं और अन्य संसाधनों के बारे में गहनता से जांच–पड़ताल की। विकास खंड उसका बाजार के महरिया में विकास विभाग के कर्मचारी एवं अधिकारी की अनुपस्थिति पर खेद जताया तथा भूसा संरक्षण पशु शेड टूटने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की। मौके पर कर्मी को कड़ी फटकार भी लगाई। नोडल अफसर ने शीत ऋत में गोवंश के बचाव को लेकर हुई व्यवस्थाओं समेत संख्या के सापेक्ष शेड की व्यवस्था होने, पीने के लिए स्वच्छ एवं ताजा पानी की उपलब्धता, पेड़ के नीचे सूखे स्थान पर बैठने की व्यवस्था, भूसे के भंडारण, हरे चारे के इंतजाम आदिबिंदुओं पर फोकस रहा। मनरेगा के तहत कराए गए कार्यों के बारे में भी जानकारी प्राप्त की।

पन्द्रह से अट्ठारह वर्ष के छात्र/ छात्राओं का हुआ कोविड टीकाकरण

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोला/गोरखपुर। गोला क्षेत्र के आनन्द विद्यापीठ इण्टर कालेज ककरही में मंगलवार को पंद्रह से अट्ठारह वर्ष के छात्रध्छात्राओं का सीएचसी प्रभारी डा. योगेन्द्र सिंह की टीम द्वारा कोविड–19 टीकाकरण किया गया। जिसमें 180 छात्रध्छात्राओं को कोरोनारोधी टीका लगा। डाक्टरों की टीम में डा. नीतू सिंह, विमला, अम्बिका गुप्ता और सोनू श्रीवास्तव शामिल रहे। विद्यालय के प्रधानाचार्य प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि दो दिन के कार्यक्रम में 221 छात्र – छात्राओं को टीका लग चूका है।शेष बचे छात्र – छात्राओं को भी डाक्टर टीम द्वारा टीका लगाया जाएगा। डाक्टर टीम के सहयोग में विद्यालय के शिक्षक अजय कुमार शुक्ल, समीर राय, अनिल राय, बीरेन्द्र, दीपक सिंह आदि मौजूद रहे.

अधिशासी अभियंता ने बिजली कर्मियों को प्रशस्ति पत्र देकर किया सम्मानित

दैनिक बुद्ध का संदेश

भनवापुर/सिद्धार्थनगर। 132 के वी डुमरियागंज विधुत उपकेन्द्र सिरसिया पर माह अगस्त– सितम्बर 2021 मे राप्ती नदी में आयी बाढ से कंट्रोल रूम में पानी भर गया था, स्विच यार्ड मे लगभग 4 फिट पानी भर गया था, आवासीय परिसर में पूरी तरह पानी भर गया था, इस परिस्थित में विधुत आपूर्ति करना बहुत ही जोखिम भरा कार्य था परन्तु मनोज कुमार अवर अभियंता के साथ लालजी शर्मा, देवेन्द्र प्रसाद मौर्य एवं नरेन्द्र कुमार परिचालकों ने 24 घंटे उपकेन्द्र पर रहकर अपने कर्तब्य का साहस के साथ पालन किया और डुमरियागंज तहसील क्षेत्र के 33 के वी डुमरियागंज,खान तारा, तरहर,भारत भारी, तिलगडीया, बिथरिया पम्प कैनाल और इटवा तहसील के कथौतिया क्षेत्र के सभी गावँ को विधुत आपूर्ति करते रहे। इस बाढ के समय तत्कालीन उप जिलाधिकारी त्रिभुवन, अधिशषी अभियंता विवेक कुमार, उप खण्ड अधिकारी रमेश कुमार पटेल, राम मूरत, अधीक्षण अभियंता वेद प्रकाश, मनीष कुमार, मुख्य अभियंता वितरण आदि ने सभी परिचालकों का उप केंद्र पर पानी की बोट से जाकर उनके साहसी कार्य के लिए सरहाना किया था। एवं उप जिलाधिकारी ने उपकेन्द्र पर मोटर बोट की ब्यवस्था प्रदान कराया था। विवेक श्रीवास्तव अधिशषी अभियंता ने उपरोक्त परिस्थित में कार्य करने के लिए मनोज कुमार, लालजी शर्मा, देवेन्द्र प्रसाद मौर्य एवं नरेन्द्र कुमार, शिव कुमार, अशोक कुमार को प्रशस्ति पत्र और अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया एवं उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। इस मौके पर रमेश कुमार पटेल उप खण्ड अधिकारी ने सभी कर्मचारियों के कार्य की सराहना करते हुये सभी को प्रशस्ति पत्र मिलने की हार्दिक शुभकामनाएं दी।

मेगा वैक्सीनेशन में लोगों को लगा टीका

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। ब्लॉक के टड़िया भावपुर ग्राम पंचायत में पानी संस्थान अयोध्या की तरफ से एक मेगा वैक्सीनेशन कैम्प का आयोजन किया गया जिसमें गांव के तमाम छूटे और वंचित समुदाय के लोगों को कोविड का टीका लगाया गया। जिसमें

लगभग 100 लोगों को टीकाकृत किया गया । कैम्प में प्रधान प्रतिनिधि अजय चौहान जी भी शामिल रहे। विदित हो कि पानी संस्थान अयोध्या द्वारा जिले के 8 ब्लॉकों में कोविड वैक्सीनेशन ड्राइव कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है जिसके अंतर्गत शोहरतगढ़ ब्लॉक में भी उक्त कार्यक्रम चल रहा है। ब्लॉक प्रोग्राम मैनेजर प्रभाकर मिश्रा ने बताया कि हमारा प्रमुख उद्देश्य शोहरतगढ़ ब्लॉक के सुदूरवर्ती गांवों के वंचित समुदाय के लोगों तक अपनी पहुंच बनाना है तथा इस ब्लॉक को 100 प्रतिशत टीकाकृत करना है। कार्यक्रम में ब्व् अदिति, छड संजय, प्रधान प्रतिनिधि अजय, आंगनबाड़ी शशिप्रभा तथा आशा बहू उषा, सुमन, सहायिका दुर्गावती आदि लोग उपस्थित रहे।

प्रधान ने सितलहर में गरीबों में बाटे 300कम्बल

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोला/गोरखपुर। विकास खण्ड गोला के ग्राम पंचायत ककरही की प्रधान श्रीमती सीमा शुक्ला ने गरीब असहायो में 300 कम्बल बाटे ।कम्बल वितरण कार्यक्रम ककरही पंचायत भवन पर कीया गया। यहां उपस्थित लोगों को सम्बोधित करते हुए पुर्व जिला पंचायत सदस्य सरोज रंजन शुक्ल ने कहा कि गरीबों की सेवा ईश्वर सेवा के समान है। हमारे रग–रग में राष्ट्र सेवा और मानव सेवा बसा हुआ है। इनकी सेवा करके हमे शकुन मिलता है। ग्राम पंचायत ककरही में कम्बल वितरण कार्यक्रम में कानूनगो गोला विशाल दत्त त्रिपाठी, हल्का लेखपाल ओमप्रकाश यादव, अमरेश शुक्ल, हरिश्चंद्र, नन्हे शुक्ल, अमित,अम्बेश, मोनू, आलोक, संजीव, हरिलाल, रामदेव, जयहिंद,कमल किशोर रामप्रगट शुक्ल आदि उपस्थित रहे।

श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ 5 जनवरी से: राजेश त्रिपाठी

दैनिक बुद्ध का संदेश

उरूवा/गोरखपुर। स्थानीय बाजार के ग्राम बिरई खुर्द में 5 जनवरी से सप्त दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान महायज्ञ का आयोजन किया गया है। 5 जनवरी को प्रातः भव्य कलश यात्रा के बाद दोपहर 1 बजे से 5 बजे तक नित्य कथा चलेगी ।उक्त कार्यक्रम की जानकारी देते हुए संयोजक पूर्व ग्राम प्रधान राजेश त्रिपाठी व सहसंयोजक अमित तिवारी ने बताया कि प्रभु श्रीराम की नगरी से पधारे मानस मर्मज्ञ संगीतमय कथा वाचक आचार्य धीरज कृष्ण जी महाराज सप्त दिवसीय कथा का रसपान करायेंगे। जिसमें कल भव्य कलश यात्रा में ग्रामपंचायत की 51 कन्याओं द्वारा कालिका स्थान बारानगर से माता सरयू का जल भरेंगी । जिसका नेतृत्व ग्राम निवासी वेदांग मर्मज्ञ आचार्य पण्डित अंजनेश त्रिपाठी व ग्राम प्रधान मदनलाल रेंगे। जिसमें अधिक संख्या में उपस्थित होने की अपील की गयी है।

सम्पादकीय

फिर ना हो ऐसा हादसा

लेकिन घटना के बाद स्थानीय निवासियों की ओर से किए गए विरोध प्रदर्शन में यह आशंका जताई गई कि लेफ्टिनेंट गवर्नर की ओर से गठित जांच समिति मंदिर प्रबंधन की भूमिका की ढंग से जांच नहीं कर पाएगी और इसीलिए सीबीआई जैसी सेंट्रल एजेंसी से इस मामले की जांच करवाई जानी चाहिए। बहरहाल, ऐसे ...

नए साल के पहले दिन जम्मू स्थित वैष्णो देवी मंदिर में मची भगदड़ के कारण हुई 12 श्रद्धालुओं की मौत विचलित करने वाली है। हालांकि घायलों को तत्काल हॉस्पिटल पहुंचाने की व्यवस्था हुई। मृतकों के परिजनों और घायलों के लिए मुआवजे का एलान भी तुरंत कर दिया गया। लेकिन फिर भी यह देखना जरूरी है कि आखिर इस तरह की घटना हो कैसे गई।

वैष्णो देवी मंदिर देश के प्रमुख आस्था केंद्रों में है, जहां देश भर से श्रद्धालु बड़ी संख्या में पहुंचते हैं। यहां की व्यवस्था को दूसरे तीर्थस्थलों के लिए आदर्श बताया जाता रहा है। इसलिए यह दुर्घटना और भी बड़ी हो जाती है। हादसे के बाद शुरुआती स्पष्टीकरण में कहा गया कि खास त्योहारों के मौकों पर तो मंदिर में श्रद्धालुओं की संख्या में इजाफा होता रहा है। पिछले कुछ वर्षों से युवाओं की अच्छी–खासी तादाद नए साल के मौके पर भी वैष्णो देवी और अन्य मंदिरों में जाने लगी है। इसी क्रम में इस साल वैष्णो देवी मंदिर पहुंचने वाले भक्तों की संख्या अप्रत्याशित रूप से बढ़ जाने से समस्या हुई। लेकिन श्राइन बोर्ड के ही आंकड़ों के मुताबिक 31 दिसंबर और 1 जनवरी को 35 हजार श्रद्धालुओं को ही दर्शन की इजाजत दी गई थी, जो 50,000 की निर्धारित सीमा से काफी कम थी।

ऐसे में सामान्य स्थिति में भीड़ प्रबंधन कोई मुश्किल काम नहीं होना चाहिए था। कहा जा रहा है कि संभवतरू युवा श्रद्धालुओं के दो समूहों में किसी बात को लेकर विवाद हो गया था। कुछ प्रत्यक्षदर्शियों ने मीडिया को बताया कि वहां मौजूद पुलिसकर्मियों की तरफ से शक्ति प्रयोग से भी हालात बिगड़े। बहरहाल, इस तरह टुकड़ों में आए तथ्यों और अपुष्ट बयानों के आधार पर कोई निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता। निष्पक्ष और विश्वसनीय जांच से ही पूरी स्थिति सामने आएगी। यह अच्छी बात है कि जम्मू–कश्मीर के लेफ्टिनेंट गवर्नर की तरफ से तत्काल दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए जांच की घोषणा कर दी गई। इस समिति को एक सप्ताह के अंदर ही अपनी रिपोर्ट देनी है।

लेकिन घटना के बाद स्थानीय निवासियों की ओर से किए गए विरोध प्रदर्शन में यह आशंका जताई गई कि लेफ्टिनेंट गवर्नर की ओर से गठित जांच समिति मंदिर प्रबंधन की भूमिका की ढंग से जांच नहीं कर पाएगी और इसीलिए सीबीआई जैसी सेंट्रल एजेंसी से इस मामले की जांच करवाई जानी चाहिए। बहरहाल, ऐसे बयानों के पीछे अक्सर लोकल समीकरणों की भी भूमिका होती है, इसलिए इसे एक हद से ज्यादा अहमियत नहीं दी जा सकती, लेकिन इससे जांच समिति की चुनौतियां जरूर बढ़ गई हैं। उसे यह सुनिश्चित करना होगा कि जांच के दौरान सभी महत्वपूर्ण पहलुओं पर रोशनी पड़े और सभी प्रासंगिक सवालों के संतोषजनक जवाब तलाशे जाएं। तभी इस भगदड़ के लिए जिम्मेदार स्थितियों की सही तस्वीर सामने आएगी और यह सुनिश्चित किया जा सकेगा कि आगे कभी ऐसी घटना न हो।

कविता

वायरस

चारों तरफ है फैला अदावत का वायरस
दुनिया में बढ़ता जा रहा नफरत का वायरस।

दुश्मन बना है भाई का, भाई ही आजकल
घर–घर में यूँ घुसा है सियासत का वायरस।

इंसानियत का कत्ल, खुद इंसान कर रहा
सच को डराता झूठ की ताकत का वायरस ।

पीने को साफ पानी, न खाने को रोटियाँ
खा जाता है गरीब को, गुरबत का वायरस।

अच्छे– बुरे का फर्क पता कैसे हो उन्हें?
चिपका हुआ हो जिनसे जहालत का वायरस !

सोचो नियाज हम ही खतावार तो नहीं ?
हमको सता रहा है जो कुदरत का वायरस !

नियाज कपिलवस्तुवी/
दैनिक बुद्ध का संदेश

जलवायु परिवर्तन : लक्ष्य तो तय हुए, अब कदम आगे बढ़ाना है

इसके लिए अब सिर्फ केंद्र सरकार को काम करने की जरूरत नहीं है। केंद्र का तो पूरा निर्देशन रहेगा, फंडिंग भी। लेकिन अब राज्य सरकारों को स्थानीय स्तर पर एडॉप्टेशन प्लान लागू करने की जरूरत है। मसलन, अगर अतिवृष्टि होने वाली है तो हमें अच्छे चेतावनी सिस्टम लगाने की जरूरत है ताकि क्षति कम हो। हीट वेव के लिए शहरों में श्हीट कोडश बनाने करने की जरूरत है। मतलब, अगर तापमान बहुत ...

चंद्रभूषण

पर्यावरण और स्वास्थ्य के नजरिए से वर्ष 2021 लंबे समय तक याद किया जाएगा। इस साल हमने मानवता का श्रेष्ठ देखा तो सबसे बुरा भी देखा। साल की शुरुआत कोरोना की दूसरी लहर से हुई। हमारे देश का जो स्वास्थ्य ढांचा था, वह चरमरा गया। लोगों को अस्पतालों में बेड नहीं मिल रहे थे, ऑक्सिजन, मेडिकल सप्लाई की कमी थी। लेकिन साल का अंत होते–होते हमने करोड़ों लोगों को वैक्सीन दी। 2021 में जहां लाखों लोग मरे, तो करोड़ों लोगों की जान भी बची, क्योंकि हमने रेकॉर्ड टाइम में वैक्सिनेशन किया। 2021 बताता है कि अगर हम साथ मिलकर तकनीक और विज्ञान का प्रयोग करें तो लोगों की जान बचा सकते हैं, विकास कर सकते हैं। दिल्ली से ग्लासगोः जहां तक पर्यावरण की बात है, तो 2021 में काफी गंभीर समस्या हमारे सामने खड़ी हुई पर साल का अंत होते–होते हमें एक सुनहरी लकीर भी दिखी, जिस पर देश, सरकार और उद्योगपति साथ में काम करके आगे बढ़ सकते हैं। 2021 में जिस तरह का वायु प्रदूषण हुआ, रेकॉर्ड में वैसा नहीं देखा गया है। 2015 से केंद्रीय प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड ने वायु प्रदूषण की ठीक से मॉनिटरिंग शुरू की। साल 2021 में वायु प्रदूषण का लेवल पिछले पांच–छह साल में सबसे अधिक रहा है। रेकॉर्ड दिखाता है कि पिछले चार–पांच सालों में सबसे अधिक पराली हरियाणा और पंजाब में जलाई गई। दिवाली के अगले दिन ही लखनऊ, दिल्ली या गाजियाबाद में वायु प्रदूषण चरम पर पहुंचा। इसी दिसंबर में दिल्ली में वायु प्रदूषण बेहद गंभीर हो गया था।

ऐसे ही जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को देखें। इस साल जो अतिवृष्टि हुई, बाढ़ आई, इसका भी रेकॉर्ड बना। नैनीताल में दिन भर में 400 मिलीमीटर की बारिश हुई, बाढ़ आई। चेन्नै तो लगातार डूबा ही हुआ है। साथ ही देश के अलग–अलग हिस्सों में अतिवृष्टि ने हमारे शहरों को रोक दिया। छोटे समय में इतनी अधिक बारिश देखी नहीं गई है। ये साफ दिखाता है कि अतिवृष्टि अभी बढ़ेगी, जिसमें लोगों की मौत बढ़ेगी, आर्थिक दुष्प्रभाव बढ़ेंगे। वहीं इस साल हमने बढ़ती हीट वेव भी खूब देखी। बात कचरा प्रबंधन की करें तो 2021 में दिखा कि कोविड में जिस तरह से बायो मेडिकल वेस्ट बढ़ा है, उससे हमारे सॉलिड और बायो मेडिकल वेस्ट मैनेजमेंट का ढांचा भी चरमरा गया है। नदियों से जो प्रदूषण कम करना था, उस काम में भी काफी कमी रही। 2021 में यह साफ हो गया है कि हमारी जो गवर्नेंस है, पर्यावरण से संबंधित विभाग हैं, उनमें काफी कमजोरी है। लेकिन 2021 का अंत होते–होते ग्लासगो क्लाइमेट समिट में प्रधानमंत्री मोदी ने ऐलान किया कि भारत 2070 तक कार्बन डाई ऑक्साइड सहित जलवायु परिवर्तन के लिए जिम्मेदार गैसों का उत्सर्जन शून्य पर लेकर आएगा। यह बहुत बड़ा कमिटमेंट है, पर्यावरण के क्षेत्र की सुनहरी रेखा है। साथ ही भारत ने अगले दस साल के टारगेट का भी ऐलान किया, जिसके तहत हम पचास फीसदी एनर्जी अक्षय ऊर्जा से लेंगे। यानी जो बाकी के ऊर्जा स्रोत हैं, मसलन कोयला, तेल या गैस– उसका इस्तेमाल कम करेंगे। अक्षय ऊर्जा स्रोत, जैसे सौर ऊर्जा, वायु ऊर्जा बढ़ाएंगे। अब सवाल उठता है कि साल 2022 में क्या हो सकता है? एक चीज तो मानकर चलना चाहिए कि जलवायु परिवर्तन का हमारे देश में प्रभाव बढ़ेगा। इसका हमारी अर्थव्यवस्था, खेती और पानी की सप्लाई पर प्रभाव होगा। हमें अब जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से निदान के तरीके पर काम करने की जरूरत है। इसके लिए अब सिर्फ केंद्र सरकार को काम करने की जरूरत नहीं है। केंद्र का तो पूरा निर्देशन रहेगा, फंडिंग भी। लेकिन अब राज्य सरकारों को स्थानीय स्तर पर एडॉप्टेशन प्लान लागू करने की जरूरत है। मसलन, अगर अतिवृष्टि होने वाली है तो हमें अच्छे चेतावनी सिस्टम लगाने की जरूरत है ताकि क्षति कम हो। हीट वेव के लिए शहरों में श्हीट कोड्य बनाने करने की जरूरत है। मतलब, अगर तापमान बहुत तेजी से बढ़े तो लोगों को बता दिया जाए कि वे घर में ही रहें। आउटडोर वर्क कम करके हॉस्पिटल और पानी मुहैया कराया जाए। हमें लोकल गवर्नेंस लेवल पर 2022 से काम करने की जरूरत है। अब तक हमने उस पर बहुत काम नहीं किया है। अब हमें जिला और ब्लॉक लेवल पर काम करना होगा। 2022 में यह काम पूरा नहीं हो पाएगा, लेकिन 2022 में हम शुरुआत कर सकते हैं। प्रधानमंत्री ने जो ग्लासगो में अक्षय ऊर्जा का जो ऐलान किया, उसके लिए पैसे भी चाहिए होंगे। इस पैसे को लाने के लिए हमें अब उन इंडस्ट्रीज को प्रोमोट करने की जरूरत है, जो हमारे यहां आकर अक्षय ऊर्जा स्रोत लगाएं। यह पहला काम है। इसका दूसरा फायदा यह होगा कि अक्षय ऊर्जा बढ़ेगी तो कोयला कम होगा। पूर्वी और मध्य भारत में झारखंड, ओडिशा, छत्तीसगढ़, और मध्य प्रदेश इसके बड़े आर्थिक स्रोत हैं। तो कोयला धीरे–धीरे ही कम होगा। मगर उससे इन इलाकों पर क्या आर्थिक प्रभाव पड़ेगा, इस पर भी हमें काम करना होगा। 2022 में जो ट्रांजिशन होने वाला है, उस पर भी चर्चा करने की जरूरत है। एक्शन का 2022: 2022 में हमें जलवायु परिवर्तन, एनर्जी ट्रांजिशन, स्थानीय प्रदूषण के गवर्नेंस पर फोकस करना होगा। प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड सहित पर्यावरण पर काम करने वाली संस्थाओं को भी मजबूत बनाने की जरूरत है। 2022 का अजेंडा गवर्नेंस रिफॉर्म, स्ट्रेंथनिंग एक्शन का अजेंडा होना चाहिए, क्योंकि जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभाव अपने आप तो कम होने वाले नहीं हैं। यह सब जमीनी स्तर पर होना चाहिए, चाहे वह प्लास्टिक कम करने की बात हो, या कचरा प्रबंधन की। क्योंकि 2021 में हमने देखा है कि बुरा क्या हो सकता है और अच्छा क्या हो सकता है। मेरी यह कामना है कि 2022 में हम अच्छाई पर काम करें, और देश को आगे बढ़ाएं।

फार्मर फर्स्टः प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की झलक

अंतर्राष्ट्रीय खाद्य नीति अनुसंधान संस्थान द्धआईएफपीआरआईश्र के अध्ययन के अनुसार, पीएम–किसान के तहत नकद राशि प्राप्त करने वाले किसानों की बीज, उर्वरक और कीटनाशक खरीदने में निवेश करने की अधिक क्षमता थी। इसके अलावा, कोविड लश्कडाउन के दौरान किए गए अध्ययनों के अनुसार, सरकारी हस्तांतरण पैकेज के तहत प्राप्त धन ऋण संबंधी बाधाओं को दूर ...

संजय अग्रवाल

हालांकि भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि क्षेत्र की हिस्सेदारी पिछले कुछ वर्षों में लगातार बढ़ी है, लेकिन भारत के आर्थिक और सामाजिक ताने–बाने में इस क्षेत्र का महत्व इस संकेतक से बहुत अधिक है। सबसे पहले, भारत के लगभग तीन–चौथाई परिवार ग्रामीण आय पर निर्भर हैं और देश की खाद्य सुरक्षा, अनाज के उत्पादन के साथ–साथ फलों और सब्जियों के उत्पादन में वृद्धि पर निर्भर करती है, ताकि बढ़ती जनसंख्या, जिनकी आय में निरंतर वृद्धि हो रही है, की मांगों को पूरा किया जा सके। ऐसा करने के लिए, एक उत्पादक, प्रतिस्पर्धी, विविध और दीर्घकालिक कृषि क्षेत्र को तेज गति से उभरने की आवश्यकता है।

इस पृष्ठभूमि में, भारत सरकार एक अधिक समावेशी, उत्पादक, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धी और विविधतापूर्ण कृषि क्षेत्र को मजबूत आधार देने के लिए नीतिगत कार्य तथा सार्वजनिक कार्यक्रमों को शुरू करने के लिए प्रतिबद्ध है– एक ऐसा विजन, जिसे माननीय प्रधानमंत्री ने ही लोगों के समक्ष रखा है। कई अर्थशास्त्रियों का सुझाव है कि किसानों को उनकी आय बढ़ाने के लिए और उन्हें कृषि एवं संबद्ध गतिविधियों के साथ–साथ घरेलू जरूरतों से संबंधित खर्चों को पूरा करने में सक्षम बनाने के लिए एक निश्चित प्रकार की दीर्घकालिक वित्तीय सहायता, कृषि छूट देने के विकल्प से कहीं बेहतर है। देश में किसान परिवारों के लिए ऐसी सकारात्मक व पूरक आय सहायता की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए, माननीय प्रधानमंत्री ने 24 फरवरी 2019 को किसानों के कल्याण के लिए एक महत्वाकांक्षी योजना– प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम–किसान) का शुभारंभ किया। योजना के तहत, पात्र किसान परिवारों को हर चार महीने में 2000 रुपये की तीन समान किस्तों के साथ कुल 6000 रुपये प्रति वर्ष का लाभ प्रदान किया जाता है। आधुनिक डिजिटल तकनीक का उपयोग करते हुए, प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण मोड के माध्यम से लाभ की धनराशि सीधे पात्र लाभार्थियों के बैंक खातों में हस्तांतरित की जाती है। इस महत्वपूर्ण योजना के शुरू होने के बाद से, पीछे मुड़कर देखने की भी जरूरत नहीं महसूस हुई है। इस योजना ने कई मील के पत्थर पार किए हैं और विश्व बैंक समेत विभिन्न संगठनों ने योजना के व्यापक दृष्टिकोण, बड़े पैमाने और पात्र किसानों के खातों में सीधे धन के निर्बाध हस्तांतरण की प्रक्रिया की प्रशंसा की है। उत्तर प्रदेश के किसानों को लेकर अंतर्राष्ट्रीय खाद्य नीति अनुसंधान संस्थान (आईएफपीआरआई) द्वारा किए गए एक अध्ययन से पता चलता है कि पीएम–किसान के तहत हस्तांतरित लाभ अधिकांश किसानों तक सीधे पहुंचा और उन्हें बिना नुकसान या कमी के पूरी धनराशि प्राप्त हुई। अध्ययन के अनुसार, इस योजना से उन किसान परिवारों को काफी मदद मिली है, जो कृषि पर अपेक्षाकृत अधिक निर्भर हैं विभिन्न राज्योध केंद्र–शासित प्रदेशों की सरकारों से त्रुटिरहित, सत्यापित और विधिमान्य डेटा प्राप्त करने के बाद अब तक– 11 करोड़ से अधिक पात्र किसान परिवारों को पीएमदृ किसान के तहत लाभ प्रदान किया गया है। पात्र परिवारों को कुल 1,60,982 करोड़ रुपये से अधिक की राशि जारी की गई है। और तो और, कोविड अवधि के दौरान पीएमदृ किसान योजना के तहत किसानों को 1,07,484 करोड़ रुपये हस्तांतरित किए गए हैं। वर्तमान वित्तीय वर्ष 2021–22 में ही, कुल 44,689 करोड़ रुपये से अधिक की राशि जारी की जा चुकी है और माननीय प्रधानमंत्री द्वारा 01 जनवरी 2022 को इसकी दसवीं किस्त जारी किए जाने के साथ यह राशि बढ़कर 65,000 करोड़ रुपये से अधिक हो जाने की उम्मीद है। जैसा कि इस किस्म की व्यापक आकार की योजनाओं के साथ हमेशा होता है, पीएम–किसान के कार्यान्वयन ने कई चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना किया है। इस योजना को धन के हस्तांतरण के आकार, उसके तौर–तरीकों और उससे संबंधित तंत्र में निरंतर सुधार करते हुए लागू किया जा रहा है। लाभार्थियों को वित्तीय लाभों का सुचारू और त्वरित हस्तांतरण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से समय–समय पर कई प्रक्रियात्मक उपाय और अभियान शुरू किए गए हैं। परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए इस योजना के संचालन से संबंधित दिशा–निर्देशों को समय–समय पर संशोधित किया गया है ताकि देश के किसानों के कल्याण के इस प्रशंसनीय काम में सभी राज्यों का योगदान सुनिश्चित किया जा सके। यह योजना वास्तव में सहकारी संघवाद का एक उत्कृष्ट उदाहरण रही है। इस योजना के तहत किसानों के नाम दर्ज कराने की प्रक्रिया को अब सरल बना दिया गया है। पहले जहां एक किसान को इस योजना के तहत पंजीकरण के लिए राज्य सरकार द्वारा नामित स्थानीय पटवारीध्राजस्व अधिकारीध नोडल अधिकारी (पीएम–किसान) से संपर्क करना पड़ता था, वहीं अब पीएम किसान के वेब पोर्टल पर श्किसान कॉर्नरश्च की एक विशेष सुविधा शुरू की गई है जिसके माध्यम से किसान अब अपना पंजीकरण करा सकते हैं। किसान कॉर्नर के माध्यम से किसान अपने आधार कार्ड के अनुरूप पीएम–किसान डेटाबेस में अपना नाम संपादित भी कर सकते हैं। किसान कॉर्नर के माध्यम से वे अपने भुगतान की स्थिति के बारे में भी जान सकते हैं। लाभार्थियों का ग्रामवार विवरण भी श्किसान कॉर्नरश्च पर उपलब्ध है। देश भर के कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) को भी एक मामूली शुल्क के भुगतान पर इस योजना के लिए किसानों का पंजीकरण करने के लिए अधिकृत किया गया है। किसानों के पंजीकरण को और भी अधिक आसान बनाने के लिए भारत सरकार द्वारा एक विशेष मोबाइल ऐप भी लॉन्च किया गया है। इस योजना के कार्यान्वयन में अधिक पारदर्शिता लाने के उद्देश्य से सभी राज्यों/केंद्र–शासित प्रदेशों को ग्राम सभा स्तर पर सामाजिक आकलन (सोशल ऑडिट) करने के लिए भी कहा गया है। वास्तव में, कुछ राज्यों ने अपने सभी ग्राम सभाओं में इस सामाजिक आकलन (सोशल ऑडिट) को पहले ही पूरा कर लिया है।

जब किसानों के पंजीकरण और पीएम–किसान के तहत प्राप्त लाभों का उपयोग करने में उनकी मदद करने की बात आती है तो हमारे कृषि संस्थान सबसे आगे रहे हैं। इसमें कोई आश्चर्य नहीं कि पीएम–किसान के लाभार्थियों द्वारा आधुनिक तकनीकों को अपनाए जाने में 36 प्रतिशत वृद्धि होने का कारण कृषि विज्ञान केंद्र तक उनकी पहुंच होना है।

कक्षा आठ तक के विद्यालय आठ जनवरी तक रहेंगे बंद

महराजगंज। बढ़ते ठंड के प्रकोप को देखते हुए जिला प्रशासन ने कक्षा आठ तक के सभी विद्यालयों में आठ जनवरी तक की छुट्टी घोषित कर दी है। इसको लेकर जिलाधिकारी ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को पत्र जारी कर आदेश का अनुपालन कराने का निर्देश दिया है। गौरतलब है कि बेसिक शिक्षा विभाग की ओर से संचालित परिषदीय विद्यालयों में शासन ने पहले ही 14 जनवरी तक अवकाश घोषित किया हुआ है। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ओपी यादव ने बताया कि ठंड के प्रकोप को देखते हुए विभाग की ओर से पूर्व में ही कक्षा आठ तक के बेसिक शिक्षा विभाग से संचालित समस्त विद्यालयों में अवकाश घोषित किया गया था। लेकिन सीबीएससी व आइसीएससी बोर्ड के विद्यालयों के लिए कोई गाइडलाइन जारी न होने से विद्यालयों का संचालन किया जा रहा था। ऐसे में जिलाधिकारी महोदय ने कक्षा आठ तक के समस्त विद्यालयों में आठ जनवरी तक का अवकाश घोषित किया है।

अवकाश में संशय को लेकर डीएम से मिले स्कूल एसोसिएशन के पदाधिकारी

महराजगंज। विद्यालयों में अवकाश किए जाने के संशय को लेकर महराजगंज डिस्ट्रिक्ट स्कूल एसोसिएशन व इंडिपेंडेंट स्कूल अलायंस के पदाधिकारियों ने डीएम से मिलकर अवकाश को लेकर स्पष्ट आदेश जारी करने की मांग की। महाराजगंज डिस्ट्रिक्ट स्कूल एसोसिएशन के अध्यक्ष आलोक रंजन तिवारी, सचिव महेंद्रानंद जायसवाल, उपाध्यक्ष बीके तिवारी, उपाध्यक्ष दुर्गेश सिंह, अंकुर गुप्ता, विभव गोपाल श्रीवास्तव, दशरथ गुप्ता, विवेक गुप्ता, व इंडिपेंडेंट स्कूल अलायंस के जिवेश मिश्रा आदि उपस्थित रहे।

मांगों को लेकर अनुदेशकों ने सौंपा ज्ञापन

महराजगंज । पूर्व माध्यमिक अनुदेशक कल्याण समिति के जिलाध्यक्ष वरुण पटेल के नेतृत्व में अनुदेशकों ने मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन अपर जिलाधिकारी को सौंपते हुए नियमित करने और वेतन बढ़ोत्तरी किए जाने की मांग की है। अनुदेशकों ने कहा कि अगर हमारी मांगे पूरी नही हुई तो अनुदेशक वृहद आंदोलन को बाध्य होंगे। जिलाध्यक्ष ने कहा कि अभी तक अनुदेशकों को मानदेय मिलता है, वह बहुत ही कम है। अतरू हमारी मांगे हैं कि हमारा मानदेय बढ़ाकर 18 हजार रुपये प्रतिमाह किया जाए। इस दौरान सुनील कुमार वर्मा, अब्दुल गफ्फार, राजकुमार, विनीत, जितेंद्र कन्नौजिया, राजू वर्मा, दिलीप पटेल, ध्रुव कुमार चौरसिया, अग्निदेव यादव, श्याम मोहन चौरसिया, विजय कुमार, मेराज अहमद आदि लोग मौजूद रहे।

पूरे दिन नहीं हुए सूर्यदेव के दर्शन, बढ़ी गलन

महराजगंज। ठंड से लोगों को राहत नहीं मिल रही है। महराजगंज में पूरे दिन धूप नहीं निकली। सुबह कोहरा तो नहीं था, लेकिन पूरे दिन बदरी छाई रही। जिससे पूरे दिन पारा लुढ़का रहा । सार्वजनिक स्थलों पर ठंड से बचाव के लिए अलाव के आसपास लोग जमे रहे। सरकारी दफ्तरों में अधिकारी व कर्मचारी हीटर व ब्लोवर के सहारे ठंड भगाने की जुगत करते रहे। मौसम विभाग के मुताबिक मंगलवार को भी ठंड का यह कहर बरकरार रहने की उम्मीद है। नए साल में मौसम के उतार–चढ़ाव में ठंड से लोग परेशान हो गए हैं। सूरज बादलों की ओट में पूरी तरह से छिपा हुआ है। बर्फीली सर्द हवाएं व शीतलहर से जाड़ा व गलन बढ़ती ही जा रही है। सुबह मामूली कोहरे के साथ दिन की शुरुआत हुई। दिन बढ़ने के साथ ठंड में भी इजाफा हो गया । धुंध के चलते दिन में भी लोग वाहनों की हेडलाइट जलाकर सड़कों पर निकले। अधिकतम तापमान 21 और न्यूनतम तापमान आठ डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

अलाव के इंतजार में ठिठुर रहे यात्री

महराजगंज । जिले में बढ़ी गलन के बावजूद भी चिन्हित स्थलों पर अलाव की व्यवस्था नहीं की गई। जिसके कारण यात्रियों समेत अन्य लोगों को ठंड से ठिठुरना पड़ा। नगर पालिका की ओर से नगर में आठ चिह्नित स्थलों पर अलाव जलाने का दावा किया जा रहा है। लेकिन महराजगंज के बस स्टेशन, नगर तिराहा, उद्योग चौराहा समेत कई स्थानों पर अलाव नहीं जलवाया गया । ग्रामीण क्षेत्रों में तो स्थिति इससे भी बुरी रही। चौक चौराहों पर लोगों को ठंड से जूझना पड़ा। गर्म कपड़ों की खरीद के लिए लगी रही भीड़ ठंड को देखते हुए गर्म कपड़ों की खरीदारी के लिए दुकानों पर लोगों की भीड़ लगी रही। नगर तिराहा सहित मऊपाकड़, भिटौली,शिकारपुर, घुघली, सिदुरिया समेत अन्य चौक चौराहों पर लोगों ने जमकर ऊनी व गर्म कपड़ों की खरीदारी की।

मूल्य के गड़बड़ी को लेकर सरस्वती खाद भंडार के दुकान का लाइसेंस हुआ निलम्बित

दो दुकानों को दिया गया नोटिस

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोला/गोरखपुर। जिला अधिकारी गोरखपुर के निर्देश

पर अधिक मूल्य पर खाद बेचने की लगातार मिल रही शिकायतों पर मंगलवार को जिला कृषि अधिकारी देवेंद्र प्रताप सिंह द्वारा विकासखंड गोला में अचानक निरीक्षण किया गया तथा सभी दुकानदारों को उचित मूल्य पर यूरिया बेचने की सख्त हिदायत दी गई एग्री जंक्शन सब्जी मंडी गोला ,किसान सेवा केंद्र ,सरस्वती खाद भंडार ,दयाल खाद भंडार, कश्यप खाद भंडार, जयसवाल खाद भंडार का निरीक्षण किया गया निरीक्षण के दौरान सरस्वती खाद भंडार पर मूल्य को लेकर गड़बड़ी पाई गई जिसके चलते उनके लाइसेंस को निलंबित किया गया कश्यप खाद ,भंडार और दयाल खाद भंडार को नोटिस दिया गया है।

महिलाओं के स्वावलंबी बनने में रोड़ा बने बैंक

देवरिया। महिलाओं व लड़कियों की सुरक्षा, विकास तथा उन्हें आत्मनिर्भर बनाने पर सरकार का जोर है। स्वयं सहायता समूह से जुड़ कर जिले की महिलाएं आत्मनिर्भर बन रही है। इन दिनों महिलाओं के स्वावलंबी बनने पर बैंक रोड़ा बन रहे हैं। 593 स्वयं सहायता समूह के ऋण पत्रावली को मंजूरी तो मिली, लेकिन अभी तक ऋण नहीं मिला है। जिसके चलते स्वयं सहायता से जुड़ी महिलाएं हर दिन एनआरएलएम कार्यालय से लेकर बैंक तक का चक्कर लगा रही हैं। जिले में करीब 12 हजार स्वयं सहायता समूह हैं। इसमें से अधिकांश महिलाएं स्वयं सहायता समूह से मिलने वाले ऋण के माध्यम से स्वरोजगार कर रही हैं और स्वावलंबी बन रही है।

जबकि कुछ महिलाएं विद्युत सखी व बैंक सखी के रुप में बेहतर कार्य कर अपने परिवार का भरण पोषण कर रही हैं। हाल ही में एनआरएलएम द्वारा 2606 स्वयं सहायता समूह के ऋण के लिए पत्रावली विभिन्न बैंकों को तैयार कर भेजा गया। जिसमें से अभी केवल 1040 स्वयं सहायता समूह का ही ऋण आवंटित हो सका है। जबकि 973 स्वयं सहायता समूह की पत्रावली ऋण योग्य न होने का दावा करते हुए वापस बैंक द्वारा कर दिया गया है। इसके अलावा 593 स्वयं सहायता की पत्रावली को ऋण मंजूरी तो मिल गई है। लेकिन उनके खाते में रुपया नहीं जा सका है। डीसी एनआरएलएम विजय शंकर राय ने बताया कि जो पत्रावली वापस हुई है, उसे जल्द बैंक को भेजा जाएगा। 800 स्वयं सहायता समूह की नई ऋण पत्रावली तैयार की गई है, जल्द ही उसे भी बैंक को भेज दिया जाएगा।

कसिली में ब्लाक बनाने की तैयारी, शासन ने मांगी रिपोर्ट

देवरिया। बरहज तहसील के कसिली गांव में ब्लाक बनाने के लिए ग्राम्य विकास आयुक्त ने एक सप्ताह के अंदर मुख्य विकास अधिकारी से रिपोर्ट मांगी है। हालांकि अभी तक ब्लाक बनाने के लिए गांवों को चिन्हित करने का कार्य नहीं हुआ है। माना जा रहा है कि बरहज, सलेमपुर, भागलपुर व भलुअनी विकास खंड के कुछ गांवों को शामिल करते हुए रिपोर्ट भेजी जाएगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पूर्व प्रधान सचिव नृपेंद्र मिश्र का गांव कसिली है। उनके बेटे साकेत मिश्र पूर्वांचल विकास बोर्ड के सलाहकार हैं। कसिली में ब्लाक बनाने की मांग पहले भी हो चुकी है। नवंबर माह में पूर्वांचल बोर्ड के सलाहकार जब गांव पहुंचे तो ग्रामीणों ने उनसे ब्लाक बनाने की मांग की थी। उनकी पहल के बाद ग्राम्य विकास आयुक्त ने मुख्य विकास अधिकारी से इसको लेकर रिपोर्ट मांगी है।

विभागीय अधिकारियों का कहना है कि एक लाख तक आबादी एक ब्लाक में होनी चाहिए। इसके अलावा अन्य सुविधाएं भी होनी चाहिए। अगर यह ब्लाक बनता है तो इसमें भलुअनी, सलेमपुर, बरहज व भागलपुर विकास खंड के गांवों को काटा जाएगा और इस ब्लाक में जोड़ा जाएगा। उधर विधानसभा चुनाव की अधिसूचना को लेकर भी अटकलें तरह–तरह की लग रही है। जिला विकास अधिकारी श्रवण कुमार राय ने बताया कि तीन साल पहले भी कसिली में ब्लाक बनाने की मांग चली थी, पत्राचार हुआ था। पुनः रिपोर्ट मांगी गई है, इसके लिए प्रस्ताव तैयार किया जाएगा। साथ ही यह भी निर्धारित किया जाएगा कि उसमें कौन–कौन से गांव शामिल किए जाएंगे। यहां भी ब्लाक बनाने की चल रही मांगः भलुअनी विकास खंड के खुखुंदू को ब्लाक बनाने की मांग लंबे अर्से से चल रही है। तरकुलवा व खुखुंदू को एक साथ ब्लाक बनाने की घोषणा भी हुई थी। तरकुलवा ब्लाक बन गया, लेकिन खुखुंदू ब्लाक अभी तक अस्तित्व में नहीं आ सका है। नगर पालिका अध्यक्ष कृष्णगोपाल जायसवाल ने बताया कि टूटी पाइप लाइन को ठीक करने के लिए सड़क को तोड़ना पड़ेगा। इससे सड़क क्षतिग्रस्त हो जाएगी। एनएच के अधिकारी से बात की गई है। बहुत जल्द टूटी पानी पाइप लाइन को ठीक कर दिया जाएगा।

कोरोनारोधी टीका को लेकर किशोरों में दिखा उत्साह

देवरिया। कोरोना मरीजों की बढ़ रही संख्या के बीच 15 से 18 वर्ष के किशोरों को टीका लगाने का कार्य शुरू हो गया। खौफ पर किशोरों को उत्साह पहले ही दिन भारी पड़ता नजर आया। इस आयु वर्ग के बीच की किशोरियों में भी उल्लास कम नहीं रहा। सबसे पहले उन्होंने ही लाइन लगाकर कोरोनारोधी टीका लगाया और कोरोना को हराने की ठान ली। ऐसे तो बच्चों को पहले ही विद्यालय के प्रधानाचार्य व शिक्षकों ने टीकाकरण को लेकर जागरूक कर दिया था और आधार कार्ड साथ लेकर आने की बात कही थी। छात्र पूरे उत्साह के साथ अपने विद्यालय पहुंचे और सबसे पहले लाइन लगाकर खड़े हो गए। टीका लगाया और फिर चेहरे पर मुस्कान लेकर विद्यालय से बाहर निकले। दूसरे छात्रों को भी टीका लगाने के लिए जागरूक किया। पहले लगवाया टीका, फिर इंटरनेट मीडिया पर शेयर की फोटोः कोरोनारोधी टीका लगवाने को लेकर बच्चों में काफी उत्साह नजर आया। पहले बच्चों ने कोरोनारोधी टीका लगवाया। इसके बाद फोटो इंटरनेट मीडिया पर शेयर किया। ऐसे तो विद्यालय में मोबाइल ले जाने पर प्रतिबंध ा हैं, बावजूद बच्चे मोबाइल लेकर विद्यालय पहुंचे और साथियों से फोटो खिचाकर इंटरनेट मीडिया पर वायरल किया। शुरुआत में धीमी, फिर पकड़ी रफ्तारः शुरुआत में तो विद्यालयों में टीका लगाने की धीमी रफ्तार रही, लेकिन बाद में यह रफ्तार पकड़ ली। 12 बजे तक एसएसबीएल में मात्र 12 छात्रों को ही टीका लगा था, इसके बाद रफ्तार पकड़ ली और दोपहर दो बजे यहां 40 छात्रों को टीका लग गया। कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में एक बजे तक 30 छात्रों को टीका लगा था, जबकि यहां छात्रों की लंबी लाइन लगी हुई थी। यहां डाटा फीडिग में देर हो रही थी। इंटरनेट न चलने के चलते दिक्कत होने की बात कर्मचारी कहते रहे। जबकि महाराजा अग्रसेन इंटर कालेज में 12 बजे तक 40 छात्रों को कोरोनारोधी टीका लग गया था। जबकि डेढ़ सौ छात्र लाइन लगाकर खड़े थे। शुरूआती दौर में हर केंद्र पर रफ्तार धीमी रही। लेकिन बाद में ठीक हो गई। यही हाल राजकीय इंटर कालेज देवरिया में भी रहा।

उत्साह के साथ 5843 किशोरों को लगा कोरोनारोधी टीका

महराजगंज। कोरोना से बचाव का टीका लगवाने को लेकर किशोरों में गजब का उत्साह रहा। पहली बार टीका लगवाने को लेकर जहां कुछ किशोर सशंकित रहे, वहीं कई किशोरों में उत्सुकता बनी रही। इस दौरान 15 से 18 वर्ष के 5843 किशोरों सहित कुल 15198 लोगों को टीका लगाया गया। कोविड 19 महामारी के संक्रमण की रोकथाम के लिए 15 से 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले छात्र–छात्राओं को सुरक्षा प्रदान करने को डीएम सत्येन्द्र कुमार ने गणेश शंकर विद्यार्थी इंटरमीडिएट कालेज में टीकाकरण का शुभारम्भ किया। डीएम ने कहा कि कोरोना से बचाव के लिए टीका बहुत जरूरी है। छात्र –छात्राएं टीका अवश्य लगवाएं। यह स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है। उन्होंने कहा कि सभी लोग कोविड नियमों का पालन करे और मास्क अवश्य लगाएं। इस दौरान मुख्य चिकित्साधिकारी डा. अशोक कुमार श्रीवास्तव, अपर एसडीएम मो. जसीम, जिविनि अशोक कुमार सिंह, बीएसए अशोक कुमार यादव, सीएचसी अधीक्षक केपी सिंह, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी मनोज कुमार, प्रध ानाचार्य विजय बहादुर सिंह, स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी श्रीभागतव सिंह, बीपीएम सूर्यप्रताप सिंह, बीसीपीएम लवली वर्मा आदि उपस्थित रही। घुघली संवाददाता के अनुसार सरदार पटेल बालिका इंटर कालेज में 15 से 18 वर्ष की 366 छात्र– छात्राओं का टीका लगाया गया। प्रधानाचार्य सुनील कुमार दुबे ने बताया कि 366 छात्र– छात्राओं को कोरोना की पहली खुराक दी गई। हालांकि नेटवर्क की समस्या के चलते स्वास्थ्य कर्मियों को रजिस्ट्रेशन करने में भारी असुविधा का सामना करना पड़ा। कोरोना जांच टीम में डा. वाइ एन मधुकर, एएनएम बीना यादव, मंशा, सपना जायसवाल, सुख सागर मौर्य एवं सोनी गुप्ता आदि शामिल रहे।

चौक बाजार संवाददाता के अनुसार दिग्विजय नाथ इंटर कालेज चौक बाजार में 600 किशोरों को कोरोनारोधी टीका लगाया गया। टीकाकरण का शुभारंभ विद्यालय के प्रधानाचार्य डा. हरिद्र यादव ने किया। इस दौरान 1000 कोविड शिल्ड एवं को–वैक्सीन उपलब्ध रहे। लेकिन चार बजे तक छह सौ किशोरों को टीका लग सका ।इस अवसर पर रीमा देवी, सुनीता गुप्ता, निशा, भरत, संगीता पुनीता आदि स्वास्थ्य कार्यकर्ता मौजूद रहे ।

आनंदनगर संवाददाता के अनुसार सेठ आनंदराम जयपुरिया इंटर कालेज में टीकाकरण के लिए कुल 6 बूथ बनाए गए हैं। जहां देर शाम तक पांच सौ किशोरों को टीका लगाया जा चुका था। इस दौरान सीएचसी बनकटी के अधीक्षक डा.उमेश चन्द्र, प्रधानाचार्य शाकिर हुसैन, सीएचओ विक्रम सिंह, प्रवक्ता जितेंद्र पाण्डेय, एएनएम बबली जायसवाल, कौशिल्या देवी, गरिमा, सरोज पाल, उमा कन्नौजिया सहित अन्य लोग मौजूद रहे। लेहड़ा संवाददाता के अनुसार पंडित जवाहरलाल नेहरू इंटर कालेज बरगाहपुर में भी कोविड टीकाकरण अभियान के तहत 198 बच्चों को टीका लगाया गया। टीकाकरण के लिए बच्चों का वहीं पंजीकरण कराने के बाद टीके की खुराक दी गई। इस दौरान प्रधानाचार्य रामनरायन यादव, राकेश यादव, प्रमोद गोंड, एएनएम विजय लक्ष्मी, पूनम कुमारी, वेरिफायर पूनम यादव, सरिता पासवान, संगीता, दीपा वर्मा सहित अन्य लोग मौजूद रहे। फुलमनहा संवाददाता के अनुससार बृजमनगंज के महात्मा गांधी इंटर कालेज में सीएचसी बृजमनगंज की स्वास्थ्य टीम ने टीकाकरण के लिए शिविर लगया। जिसमें 600 किशोरों को टीका लगाने का लक्ष्य था। जबकि 73 छात्र–छात्राओं को टीका लगाया गया। इस दौरान स्वास्थ्य टीम में देवेंद्र कन्नौजिया, राखी, रेखा, शीबा, शुसीला, मनसा, शोभा मौजूद रही।

कांग्रेस नेत्री ने जड़े थप्पड़

तो दरोगा ने मारी लात

कचहरी चौराहे पर आधे घंटे तक हुई हाथापाई

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोरखपुर। कांग्रेस नेत्री और उसके नाबालिग बेटे ने एक ट्रैफिक दरोगा से बीच चौराहे पर मारपीट की। इतना ही नहीं, उनका बैज भी नोच लिया। इस दौरान पुलिस वालों ने भी महिला के साथ मारपीट की। इस दौरान करीब आधे घंटे तक सड़क पर ही हाथापाई होती रही। लात–घूंसे चलते रहे।नेत्री और उसका बेटा लगातार पुलिसवालों को गाली देते रहे। इस दौरान लोगों की भीड़ जुट गई। वे लोग बीच–बचाव करने की जगह घटना का वीडियो बनाने लगे। बाद में पहुंचे ट्रैफिक इंस्पेक्टर महिला पुलिसकर्मियों के सहयोग से कांग्रेस नेत्री और उसके बेटे को कैंट थाने ले गए। ट्रैफिक दरोगा ने कहा कि वह नेत्री के खिलाफ तहरीर देंगे। घटना कैंट इलाके के गोलघर के कचहरी चौक की मंगलवार दोपहर करीब 2 बजे की है। ट्रैफिक दरोगा अजय सिंह कचहरी चौराहे पर ड्यूटी कर रहे थे। इस दौरान कांग्रेस नेत्री सुमन अपने नाबालिग बेटे के साथ बाइक से जा रही थी। बाइक सवार ने हेलमेट नहीं लगाया था। उसने सिग्नल भी तोड़ दिया, तो दरोगा ने रोक लिया। इसके बाद नेत्री उसे छोड़ने का दबाव बनाने लगी। देखते ही देखते हाथापाई शुरू हो गई और सुमन ने दरोगा को थप्पड़ मार दिया। इसके बाद दरोगा ने भी सुमन को लात मार दी। फिर क्या था, सुमन गाली देने लगी। देखते ही देखते उसका बेटा भी आ गया। उसने भी पुलिसकर्मियों से मारपीट की। उसने दरोगा को पीट दिया और उसका कॉलर पकड़ कर बैज नोच लिया। पुलिस से अभद्रता की छूट किसी को नहीं, दर्ज होगा केस कैंट थाने पहुंची एसपी ट्रैफिक प्रभा सिंह ने कहा कि माफी से काम नहीं चलेगा। ड्यूटी कर रहा हमारा पुलिसकर्मी थप्पड़ नहीं खाएगा। महिला खुद को कांग्रेस की महिला प्रकोष्ठ की प्रदेश उपाध्यक्ष बता रही है। हालांकि कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने उसके पार्टी में होने से इनकार किया है। महिला और उसके बेटे की हिरासत में लिया गया है। मुकदमा लिखा जा रहा है। वहीं, कांग्रेस जिलाध्यक्ष निर्मल पासवान ने कहा कि महिला हमारी पार्टी में नहीं है। वह कांग्रेस का पट्टा पहनकर बदनाम कर रही है। कोई भी हो, पुलिसकर्मी को पीटना उचित नहीं है।

महराजगंज में 1909 लोगों की हुई कोरोना जांच

महराजगंज। जिले में कुल 1909 लोगों की कोरोना की जांच की गई। इसमें एंटीजन से 971 की जांच गई है। आरटीपीसीआर जांच के लिए 938 लोगों का नमूना मेडिकल कालेज भेजा गया है। इस दौरान सर्वाधिक जांच परतावल और सबसे कम जांच सिसवा में की गई। नोडल अधिकारी डा. आइए अंसारी ने बताया कि बृजमनगंज में कुल 111, धानी 108, घुघली 127, लक्ष्मीपुर 204, महराजगंज 112, मिठौरा 130, नौतनवा 196, निचलौल 305, पनियरा 190, परतावल 340, फरेंदा 54 तथा सिसवा में 40 लोगों की जांच की गई है।

जीनोम सिक्वेंसिग जांच रिपोर्ट का इंतजार

महराजगंज। कोविड हास्पिटल गोपाला में आइसोलेट त्रिपुरा के 19 कोरोना संक्रमित यात्रियों की अभी तक जीनोम सिक्वेंसिग जांच रिपोर्ट अभी तक नहीं आई है। विभाग को इनकी जांच रिपोर्ट का अभी इंतजार है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. एके श्रीवास्तव ने बताया कि वर्तमान में कुल कोरोना संक्रमितों की संख्या 12469 है। इसमें 12303 रोगियों ने कोरोना से जंग जीत ली है। अब तक 140 की मृत्यु हो चुकी है। वर्तमान में त्रिपुरा के 19 यात्रियों सहित सक्रिय रोगियों की संख्या 26 हो गई है। . एक भी कोरोना संक्रमित नहीं मिला है। लेकिन कोरोना को लेकर सावधानी बरतने की जरूरत है। लापरवाही भारी पड़ सकती है।

जेडी ने आक्सीजन प्लांट की देखी व्यवस्था

महराजगंज। कोरोना के नए वैरिएंट ओमिक्रोन से निपटने के लिए स्वास्थ्य विभाग भी अलर्ट है। संयुक्त निदेशक चिकित्सा एवं परिवार कल्याण बीएम राव ने कोविड हास्पिटलों में आक्सीजन प्लांट की व्यवस्था को अपडेट करते हुए इसकी क्रियाशीलता को परखा है। प्रदेश में बढ़ते कोविड के मामले को लेकर जिले में सतर्कता बढ़ा दी गई है। जनपद में भी इधर कोरोना संक्रमित मिल रहे हैं। इसलिए सावधानी के तौर पर स्वास्थ्य टीम आक्सीजन प्लांट को अपटेड करने में जुटा है, ताकि भविष्य में आक्सीजन की कोई दिक्कत न हो। संयुक्त निदेशक ने कोविड हास्पिटल महिला अस्पताल में लगे आक्सीजन प्लांट को देखा। बेड की व्यवस्था का जायजा लिया और स्वस्थ्य कर्मियों को अलर्ट मूड में रहने का निर्देश दिया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. एके श्रीवास्तव ने सीएचसी घुघली और गोपाला में आक्सीजन प्लांट का जायजा लिया।

सीमा के पहरेदार बने हरियाली के पालनहार

महराजगंज। सोहगीबरवा वन्यजीव प्रभाग के निचलौल वन क्षेत्र के दर्जिनिया ताल से पांच सौ मीटर दूरी पर भारत–नेपाल सीमा स्थित एसएसबी बीओपी पथलहवा के जवान सीमा सुरक्षा के साथ ही पर्यावरण संरक्षण संदेश भी दे रहे हैं। उनके द्वारा लगाए गए दो हजार पौधों से कैंप आसपास हरियाली छाई हुई है। जो लोगों को पौधारोपण के लिए प्रेरित कर रही है। एसएसबी पथलहवा के जवानों द्वारा गंडक नदी के लिक बांध के किनारे व बीओपी कैंप के आसपास खाली पड़ी भूमि पर छह माह पूर्व 24 सौ पौधों का रोपण किया गया था, जिसमें सागौन, आम, अमरूद, शीशम, यूके लिप्ट्स आदि प्रजाति के पौधे लगाए गए थे। जवानों की देखरेख और समय–समय पर सिचाई के कारण आज लगभग दो हजार पौधे पर्यावरण का संदेश दे रहे हैं। पौधे का संरक्षण बना नियमित दिनचर्याः सरकार के आह्वान पर सभी विभागों व गांवों में लाखों पौधे लगाए गए। इसके बाद भी आज के समय कहीं वह पौधे सुरक्षित नहीं दिख रहे हैं, जबकि पथलहवा कैंप के आसपास पौधे तेजी से बढ़ रहे हैं। एसएसबी जवानों का कहना था कि पौध ो की देखभाल व सिचाई उनके नियमित दिनचर्या में शामिल है। जिस जवान को समय मिलता है, वह एक निश्चित समय में पौध ों की सिचाई कर देता है। इसके साथ ही उसकी निगरानी भी की जाती है। पौधारोपण व संरक्षण की दे रहे सीखः एसएसबी असिस्टेंट कमांडेंट ललित मोहन डोवाल ने कहा कि पौधे प्रकृ ति को हरा–भरा रखने के साथ–साथ पर्यावरण को भी स्वच्छ रखते हैं, जिससे सभी प्राणियों को आक्सीजन मिलती है। सीमा क्षेत्र में लाखों पौधों का रोपण किया गया लेकिन बाद में देखरेख के अभाव में उसका अस्तित्व समाप्त हो गया। जबकि कैंप के पास लगाए गए पौधों की उनके व बाकी सभी जवानों द्वारा नियमित देखभाल के कारण पौधे तैयार हो रहे हैं। जो कुछ ही महीने बाद बगीचे का रूप ले लेंगे। जिसका लाभ क्षेत्र के लोगों को मिलेगा। उन्होंने लोगों को पौधारोपण करने व उनका संरक्षण करने की अपील की है।

अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का हुआ आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। गीत गजल व चुनिंदा शेरो शायरी के साथ सोमवार की खुशनुमा शाम शब्द श्रृंगार से सजती संवरती कविताओं के साथ स्वयं देश भक्ति गीतों को गुनगुनाते हुए कौमी एकता का संदेश देकर करुणा में लीन हो यथार्थ के धरातल पर मन को झकझोरती हुई हास परिहास व व्यंग के साथ ना जाने कब हंसी व ठहाकों में बदल गयी और लोग वाह वाह करने लगे और मधुरिमा अपने 59 वें आयोजन की स्मृतियों को संजोते हुए मस्ती में डूबकर नव सृजन का गीत गाने लगी। सोमवार को मधुरिमा साहित्य गोष्ठी के मेजबानी में आयोजित अखिल भारतीय कवि सम्मेलन में प्रदेश व देश के लब्ध प्रतिष्ठ कवियों ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुति से श्रोताओं को मुग्ध कर दिया जमकर लगे ठहाके और खूब बजी तालियां। प्रख्यात कवि व चिन्तक अजय शेखर के संयोजन में राबर्टसगंज के आरटीएस क्लब आयोजित 59 वें अखिल भारतीय कवि सम्मेलन के मुख्यअतिथि सदर विधायक भूपेश चौबे विशिष्ट अतिथि जिला विकास अधिकारी राम बाबू त्रिपाठी रहे अध्यक्षता भोजपुरी के ख्यातिलब्ध गीतकार हरिराम द्विवेदी व संचालन कमलेश राजहंस ने किया। ठंड की हिमानी शाम में कार्यक्रम का आगाज शिखा मिश्रा के सुमधुर वाणी वंदना से हुआ तत्पश्चात सोनभद्र के लीलासी से चलकर आये कवि लखनराम जंगली ने अपनी रचना–सांस लेली का तनिका गोहार हो गइल, थाती जोगवल सँजोवल तोहार हो गइल सुनाकर माटी की सुगंध बिखेरा तो बीजपुर से आये कवि दिनेश दिनकर ने–बिछ गया अखबार बिस्तर, पेट पापी सो गया सुनाकर वर्तमान व्यवस्था पर प्रश्न खड़ा किया। गाजीपुर से चलकर आये शायर अहमद आजमी ने– दुआ माँ बाप की कोई कभी खाली नही जाती, ये घर मे हैं तो समझो घर से खुशहाली नही जाती, जवां होकर इन्ही बच्चों से माँ पाली नही जाती सुनाकर लोगों को सोचने पर मजबूर किया तो कानपुर से

आयी शिखा मिश्रा ने महफिल में मोहब्बत के रंग बिखरते हुए– मैं ये तुमसे नही कहती किसी से प्यार मत करना, अगर हो जाये तो इस बात का इजहार मत करना, जवानी है तो आएंगे हजारो तोते, किसी अनजान का तोहफा स्वीकार मत करना सुनाकर माहौल को खुशनुमा बना दिया। फतेहपुर से आये कवि समीर शुक्ला ने अपने रचनाओं से श्रोताओं को गुदगुदाते हुए खूब हंसाया और मतारी के जिगर में लरिका रहत हवै सुनाकर वाहवाही लूटा। देवरिया से आये मनमोहन मिश्र ने मधुर गीतों के प्रस्तुति से शमां बांधते हुए – फूलों के रंग क्या हुए बोलो जवाब दो, हमने लहू दिया था लहू का हिसाब दो सुनाकर आयोजन में चार चांद लगा दिए। वाराणसी से आये सलीम शिवालवी ने ठेठ बनारसी में अपनी रचना जीत हार क अलख जगईह रजा इलेक्शन में, बेसुर क सुर ताल बजईह रजा इलेक्शन में सुनाकर राजनीति पर तंज कसा तो देहरादून से आये देश के जानेमाने गीतकार डा बुद्धिनाथ मिश्र ने राग लाया हूं रंग लाया हूं, गीत गाती उमंग लाया हूं, मन मन्दिर में आपके लिए प्यार का तरंग लाया हूं सुनाकर सम्मेलन में इंद्रधनुषी छंटा बिखेर दिया संचालन कर रहे कमलेश राजहंस ने अपनी ओज की रचना भारत का हिन्दू मुसलमान, भारत माँ का जय बोलेगा सुनाकर कौमी एकता पर जोर दिया कवि सम्मेलन की अध्यक्षता के रहे भोजपुरी के ख्यातिलब्ध गीतकार हरिराम द्विवेदी ने माई अस केहू नाही माई माई होले, माई अंखियन में सुख के कोहाइ होले, उ सनेहिया के शीतल जोन्हाई होले सुनाकर आयोजन को शिखर पर पहुंचा दिया और गीतों, कविताओं को गुन गुनाते हुए मधुरिमा अपने 60 वें आयोजन के सपने सजाने लगी। इस मौके पर जगदीश पंथी, ईश्वर विरागी, शुशील पाठक,प्रदुम्न त्रिपाठी, दिवाकर द्विवेदी मेघ, अब्दुल हई, नजर मोहम्मद नजर, विकास वर्मा, कृष्ण मुरारी गुप्ता, राहुल श्रीवास्तव, विजय शंकर चतुर्वेदी, पुष्कर पाण्डेय, राम प्रसाद यादव, बृजेश शुक्ला, आशीष पाठक, फरीद अहमद, आनन्द शंकर दुबे 'सोनू' ज्ञानेन्द्र त्रिपाठी 'बब्बू', सोनभद्र बार एसो. के अध्यक्ष शुक्ला, रवींद्र केसरी, डा कुसुमाकर श्रीवास्तव, अरविंद सिंह, धीरज पाण्डेय, दिलीप चौबे, अनिल द्विवेदी, अमित पाण्डेय लाला समेत गणमान्य लोग व सुधि श्रोता मौजूद रहे।

विदाई समारोह में आचार्य श्री लाल मिश्र हुए सम्मानित

दैनिक बुद्ध का संदेश

रॉबर्ट्सगंज/सोनभद्र। रामचरितमानस नवाह पाठ महायज्ञ के समापन के अवसर पर समिति के मीडिया प्रभारी हर्षवर्धन केसरवानी द्वारा समाजसेवी हरि किशोर केडिया के आवास (अवतार उपवन) में आयोजित श्री रामचरितमानस नवाह पाठ महायज्ञ में सम्मिलित भूदेवो,मंच आचार्यों, मुख्य आचार्य के विदाई के अवसर पर मुख्य आचार्य श्री सूर्य लाल मिश्र, मंच आचार्य पंडित संतोष कुमार द्विवेदी को पौधा देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर श्री मिश्र ने कहा कि–"भगवान श्रीराम सहित चारों भाइयों की शिक्षा–दीक्षा, वनवास काल जंगलों व्यतीत हुआ और श्री राम को नर से नारायण बनाने, लंका पर विजय का श्रेय वनों में निवास करने वाले, वन उपजों पर आध कुमार द्विवेदी ने कहा

ारित जीवन जीने वाले वनवासियों, आदिवासियों को है। वृक्ष मानव जीवन का आधार है और इसके बिना जीवन असंभव है। मंच आचार्य पंडित संतोष कि–"आयुर्वेद की जड़ी–बूटियां हमें वनों से ही प्राप्त होती हैं, जिससे मनुष्य का स्वास्थ्य रक्षण प्राचीन काल से होता रहा है और आज भी मानव जीवन के रक्षण में कोरोना संक्रमण काल के समय तमाम औषधियों के बने हुए पेय पदार्थों के कारण मानव जीवन की रक्षा हो पाई थी, इस संक्रमण काल ने मानव को बता दिया कि प्रकृति से दूर होने का खतरनाक

- पौधा, अंगवस्त्रम,स्मृति चिन्ह देकर किया गया सम्मानित
- हर हर महादेव के गगनभेदी जयकारों से नगर से विदा हुए भूदेवगण

परिणाम होगा। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को अपने घर– बाहर, आंगन, छतो पर अवश्य वृक्षारोपण कर प्रकृति के संरक्षण का कार्य करना चाहिए। हमारे वेदों में एक वृक्ष को सौ पुत्रों के समान माना गया है। वृक्षारोपण ईश्वर की सेवा, प्रकृति माता की सेवा है।इस अवसर पर पंडित शिव कुमार शास्त्री, पंडित अनिल पांडे, पंडित यशवंत पांडे, सदर विधायक भूपेश चौबे, समिति के महामंत्री सुशील पाठक, पूर्व नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष कृष्ण मुरारी गुप्ता,विंध्य संस्कृति शोध समिति उत्तर प्रदेश ट्रस्ट के निदेशक दीपक कुमार केसरवानी ने अपना विचार व्यक्त किया। इस अवसर पर श्रीराम चरित मानस नवाह पाठ महायज्ञ समिति के महामंत्री सुशील पाठक, कार्य समिति के सदस्य राकेश त्रिपाठी (शिशु)को मारवाड़ी युवा मंच की ओर से माल्यार्पण करअंगवस्त्रम प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर डॉ धर्मवीर तिवारी, वरिष्ठ पत्रकार रविंद्र केसरी, बजरंग दल के प्रदेश संयोजक सत्य प्रताप सिंह, समाजसेवी, पंकज कानोडिया, सचिन अग्रवाल, शिखर केडिया, तरुण केडिया, हर्षित चौधरी, महेश द्विवेदी, सुधाकर द्विवेदी, मनु पांडे, चंदन चौबे, विमलेश पटेल, सुंदर केसरी आदि लोग उपस्थित रहे।

महाराजा जयेंद्र प्रताप सिंह द्वारा कंबल वितरण किया

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। राजघराने के महाराजा जयेंद्र प्रताप सिंह के तरफ

से हमेशा पुनीत कार्य किया जा रहा है। इसी क्रम में मंगलवार को हरैया सतघरवा विकासखंड के जंगली से सटे उच्च प्राथमिक विद्यालय टेंगनवार के प्रांगण में ग्राम पंचायत महादेव बांकी, सहिजना, सोनपुर, मोतीपुर कला तथा टेंगनवार के गरीबों व जरूरतमंदों को ठंड से बचने के लिए महाराजा जयेंद्र प्रताप सिंह द्वारा 600 जरूरतमंदों को कंबल बांटा गया। इस ठंडी में कंबल पाकर गरीबों व जरूरतमंदों के चेहरे खिल उठे। अच्छे कार्य के लिए लोगों ने महाराजा बलरामपुर को धन्यवाद दिया। इस अवसर पर बलरामपुर स्टेट के महाप्रबंधक सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट कर्नल आरके मोहंता ,सचिव बृजेश कुमार सिंह ,ग्राम प्रधान प्रतिनिधि अतुल प्रताप सिंह ,आदया प्रसाद शुक्ला समेत तमाम लोग उपस्थित रहे।

सुभाष चन्द्र बोस सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता सम्मान समारोह का हुआ आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

करमा/सोनभद्र। सुभाष चंद्र बोस सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता सम्मान समारोह का आयोजन स्थानीय विकास खण्ड के माँ

विंध्यवासनी इण्टर मीडिएट कॉलेज पाँपी में किया गया। जिसमे विभिन्न कॉलेजों के प्रबंधक, प्रधानाचार्य, शिक्षक एवं ग्राम प्रधान उपस्थित रहे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विकाश शाक्य, विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व प्रधानाचार्य राम लाल सिंह व जवाहरलाल मौर्य प्रदेश संयोजक सम्राट अशोक क्लब उत्तर प्रदेश तथा मुख्य वक्ता अवधेश कुमार मौर्य ने विद्यार्थियों को उत्साहित किया। और प्रतियोगी छात्र–छात्राओ को पुरस्कृत किया गया। जिसमें प्रथम पुरस्कार साईकिल समेत 40 प्रतियोगी छात्र छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर प्रधानाचार्यों, अध्यापकों एवं ग्राम प्रधानों को भी सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले बाबा बिहारी इण्टर कॉलेज भरकवाह करमा, माँ विंध्यवासीनी इण्टर कॉलेज पाँपी, सोनांचल इण्टर कॉलेज घोरावल, आर एस पी इण्टर कॉलेज कुशी डौर, कलावती शिक्षण संस्थान पगिया, रजा मेमोरियल पब्लिक स्कूल पगिया, स्वन्त्रता संग्राम सेनानी इण्टर कॉलेज शाहगंज आदि के बच्चे सामिल थे। इस कार्यक्रम के आयोजक अंशुमान मौर्य के अलावा मेजबान विद्यालय के प्रधानाचार्य सरोज कुमार, संतोष गौतम, राम सूरत, जय हिंद चौहान, राहुल कुमार, सुभाष पटेल, राम प्रताप सिंह, मुन्ना लाल, संतोष प्रजापति, सुनील कुमार शर्मा, अरविंद शर्मा, शैलेन्द्र मौर्य, संदीप मौर्य, दीपक मौर्य प्रियांशू मौर्य, सुजीत, विशाल, नागेंद्र सिंह मौर्य, आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम का सफल संचालन मुबारक ने किया।

चालकों की मनमानी से बढ़ी यात्रियों की परेशानी

महराजगंज। परिवहन निगम के बस चालक मनमानी पर आमादा हैं। इन पर डीएम और एआरएम के आदेश का कोई असर नहीं है। रात्रि सेवा निर्धारित 8.30 बजे से पहले ही निकल जा रहीं है, जिससे यात्रियों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। रेल की सुविधा से वंचित जिला मुख्यालय के यात्रियों के परिवहन सुविधा के लिए सिर्फ बस ही एक साधन है। लेकिन पिछले कोरोना काल के दौरान बस सेवा प्रभावित होने हो गई। इसके बाद जब दोबारा सुविधा शुरू हुई तो आठ बजे तक ही लोगों को बस मिलती थी। लेकिन एक माह पूर्व यात्रियों की मांग पर डीएम सत्येन्द्र कुमार ने अंतिम बस सेवा का समय सेवा रात्रि 8.30 बजे तक निध ारित करने के लिए एआरएम को निर्देशित किया। बावजूद स्टेशन प्रभारी और चालक, परिचालक उच्चाधिकारियों के आदेश को नजर अंदाज कर समय से पहले ही बसों को रवाना कर दे रहे हैं।

सदर विधायक ने जनता की मांग किया पूरा चुर्क से बस सेवा शुरू

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। सदर विधानसभा क्षेत्र के चुर्क नगर पंचायत से आज बस सेवा शुरू हो गई सदर विधायक भूपेश चौबे ने हरी झंडी दिखाकर व बस में यात्रा कर इसका शुभारंभ किया। इस मौके पर नगर पंचायत चुर्क की अध्यक्ष गीता देवी के नेतृत्व में वहां के नागरिकों ने जोरदार स्वागत किया। सदर विधायक से क्षेत्र के लोग चुर्क से बस सेवा शुरू करने की मांग लंबे समय से कर रहे थे। इसे ध्यान में रखते हुए मंगलवार को दोपहर बाद सदर विधायक भूपेश चौबे ने रावर्ट्सगंज रोडवेज परिसर से सरकारी बस को हरी झंडी दिखाई व स्वयं उस बस में सवार होकर उन्होंने चुर्क तक यात्रा भी की। उन्होंने परिवहन निगम के अधिकारियों से वार्ता करने के बाद यह भी कहा कि एवं नगर के दर्जनों लोगों ने हर्ष

किसी भी हाल में यह बस सेवा ठप नहीं होनी चाहिए। चुर्क नगर पंचायत दर्जा प्राप्त कस्बा है ऐसे में वहां से प्रतिदिन सैकड़ों लोगों का आना जाना होता है। सदर विधायक बस में सवार होकर जैसे ही चुर्क पहुंचे वहां की नगर पंचायत अध्यक्ष गीता देवी ध्वनि के साथ विधायक का स्वागत किया। लोगों ने कहा कि पूर्व में कई बार यहां से बसों का संचालन हुआ लेकिन बीच में ही बंद कर दिया जाता है। कृपया इस बार इस तरह का कार्य न होने पाए। रोडवेज के अधिकारी पता नहीं क्यों बसों का संचालन ठप कर देते हैं। सदर विधायक भूपेश चौबे ने आश्वस्त किया कि किसी भी दशा में यह बस सेवा ठप नहीं होगी। उन्होंने इस मौके पर भाजपा सरकार की अनेक योजनाओं व उपलब्धियों से भी नागरिकों को अवगत कराया। इस मौके पर भाजपा जिला मंत्री संतोष शुक्ला मनोज सोनकर जिला मीडिया प्रभारी अनूप तिवारी आशीष केसरी विकास मिश्रा अजय पांडे विमलेश पटेल संजीव श्रीवास्तव परिवहन परिवहन विभाग के एसएम संतोष कुमार व एआरएम एके सिंह वही चुर्क में स्वागत करते हुए पूर्व चेयरमैन गीता देवी मंडल अध्यक्ष चुर्क महेंद्र पांडे अरुण सिंह दीपचंद महत्व नंदलाल गुप्ता इंद्र बहादुर सिंह सूबेदार सिंह धीरेंद्र जायसवाल सहित तमाम नागरिक उपस्थित रहे।

समाजवादी पार्टी के पूर्व राज्यमंत्री डॉक्टर शिवप्रताप यादव गांवो गांवो में जनसंपर्क अभियान किया शुरू

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। ब्लाक पचपेड़वा समाजवादी पार्टी के पूर्व राज्यमंत्री

डॉक्टर शिवप्रताप यादव उर्फ एस पी यादव ने जन संपर्क अभियान चलाया उसमे बहुत से लोगो ने समाजवादी पार्टी की सदस्यता ली। समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता क लीम बागवान विजय यादव से बात की तो उन्होंने बताया कि वर्तमान सरकार से आम जनता नाराज है। लोग बदलाव चाहते है। बहुत ज्यादा संख्या में लोग समाजवादी पार्टी से जुड़ रहे है। और हम सभी समाजवादी कार्यकर्ता लोग के घर घर जाके समाजवादी पार्टी के विचार धाराओं को लोगो को बताने का कार्य कर रहे है। महगाई बेरोजगारी से लोग परेशान है।

तस्कर मस्त, सुरक्षा कर्मी पस्त

दैनिक बुद्ध का संदेश

रुपईडीहा/बहराइच। नेपाल बॉर्डर पर मादक पदार्थों का कारोबार रुकने का नाम नही ले रहा है। अभी कुछ दिन पूर्व ही एसएसबी रुपईडीहा बीओपी के जवानों ने रुपईडीहा के घसियारन मोहल्ले में स्मैक बेंचते दो लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। मगर यहां से स्मैक व अफीम का कारोबार परवान चढ़ा हुआ है। सुरक्षा बलों के हाथ थोक कारोबारी नही लग रहे हैं जो युवाओं से स्मैक का धंधा करवा रहे हैं। बॉर्डर पर नशे के कारोबार का साम्राज्य स्थापित हो चुका है। कई विशेष वर्ग के लोग इसी मोहल्ले में बेधड़क होकर मादक पदार्थों की बिक्री करते हैं। मगर सुरक्षा कर्मियों के हाथों से काफी दूर हैं। मादक पदार्थ बिक्रेताओं को जरा सा भी भय वर्दीधारियों नेपाली जिला झापा की पुलिस

का नही है। पड़ोसी नेपाली जिला बाँके की पुलिस आये दिन स्मैक व अन्य मादक पदार्थों के साथ युवकों व युवतियों को अरेस्ट करती रहती है मगर नेपाल पुलिस भी इन मादक पदार्थ तस्करो के आगे पस्त हो गई है। क्योंकि मादक पदार्थ बिक्रेताओं का सिंडीकेट काफी बड़ा है। तस्कर मस्त और पुलिस मस्त का काम चल रहा है। आज ने एक युवक को भारी मात्रा में स्मैक के साथ गिरफ्तार करने में बड़ी सफलता प्राप्त की है। एसपी झापा ने जानकारी देते हुए बताया कि आज शाम करीब 04 बजे जिले के मेचीनगर नगर पालिका वार्ड नम्बर 06 स्थित बस स्टैण्ड के पास सिपाहियों ने सक के आधार पर एक युवक को रोककर जामा तलाशी ली तो उसके पास से सफेद दो पैकटो में भारी मात्रा में स्मैक की बरामदगी हुई है। एसपी ने बताया कि पूछताछ में युवक ने अपना नाम लावन हांड राई निवासी जिला मोरंग नेपाल के रूप में हुई है। पकड़े गये युवक ने बताया कि वह स्मैक उसे रुपईडीहा के घसियारन् मोहल्ला निवासी एक युवक झापा स्थित कृष्णा होटल में दीपक नामक ब्यक्ति को देने के लिए दिया था। उसे इसके एवज में 20 हजार रुपये मिलते। पुलिस ने पकड़े गये युवक की निशानदेही पर कृष्णा होटल में छापेमारी की पर दीपक नही मिला। पुलिस ने पकड़े गये युवक के विरुद्ध मामला दर्ज कर जेल भेज दिया है।

गौरव सिंह ने महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के 43वें दीक्षांत समारोह में हासिल किया गोल्ड मेडल

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के 43वें दीक्षांत समारोह में राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय ओबरा सोनभद्र के एमएससी के छात्र गौरव सिंह ने गोल्ड मेडल प्राप्त करके महाविद्यालय का मान बढ़ाया है। उन्हें राज्यपाल महोदय ने मेडल व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित कियास महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ प्रमोद कुमार ने इस उपलब्धि के लिए गौरव सिंह को बधाई देते हुए कहा कि कठिन परिश्रम एक दिन आपको शीर्ष पर पहुंचा ही देती है।इसके अतिरिक्त महाविद्यालय की छात्रा प्रियंका मिश्रा (ड.।. हिंदी) ने पांचवा स्थान मोनी विश्वकर्मा (ड.।. हिंदी) ने छठा स्थान एवं स्नेहा मौर्य ने (डै.ब.जूलॉजी)में सातवां स्थान प्राप्त कर महाविद्यालय को गौरवान्वित महसूस कराया है। महाविद्यालय परिवार इन सभी के उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है।

सेठ बृज किशोर निवार्ण दिवस पर हुआ बुजुर्गो का सम्मान

छः बुजुर्गो के सम्मान सहित 22 जरूरतमन्दों को वितरित किये गए कम्बल

सीतापुर। बुजुर्गो का सम्मान करना और जरूरतमन्दों की मदद करना हमरा नैतिक कर्तव्य है। इससे बुजुर्गो का आत्म सम्मान बढ़ता है और उनमें उर्जा का संचार होता है। जिससे सामाजिक बुराईयों पर सफलता प्राप्त करने में भी मदद मिलती है। जरूरतमन्दों की मदद ईश्वर को प्रिय है। सेठ बृज किशोर सम्पत्ति ट्रस्ट इन सामाजिक मूल्यों को सजाने.सँवारने और अपनी संस्कृति बलवान बनाये रखने के जो प्रयास कर रहा है। वह काबिले तारीफ है। उक्त उद्ङ्गार यहाँ ट्रस्ट के भवन में सेठ बृज किशोर निवार्ण दिवस के अवसर पर मुख्य अतिथि विमल मेहरोत्रा ने व्यक्त किये। कार्यक्रम की अध्यक्षता कमरेन्द्र टण्डन ने की। जबकि संचालन शिक्षक व शायर खुश्तर रहमान खाँ द्वारा किया गया। ट्रस्ट के अध्यक्ष शोभित टण्डन, ग्राम प्रधान बीहट गौर मुनेन्द्र पाल सिंह, कवि भगवती प्रसाद गुप्ताए प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष सुरेन्द्र गुप्ता, जय गोपाल आदि ने अतिथियों का मार्ल्यापण कर उनका स्वागत एवं अभिनन्दन किया। इस अवसर पर ट्रस्ट के अध्यक्ष शोभित टण्डन ने सेठ बृज किशोर टण्डन ने व्यक्तित्व पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए ट्रस्ट के भवन के इतिहास को भी बयान किया। उन्होंने कहा कि ट्रस्ट द्वारा प्रत्येक वर्ष निर्वाण दिवस के अवसर पर जरूरतमन्दों आवश्यक सामग्री प्रदान की जाती है। आज पुनरू इस कार्यक्रम में 22 जरूरतमन्द महिलाओंए पुरूषों को कम्बल वितरित किये गए। इस वर्ष भी अब तक एक हजार एक सौ से अधिक लोगों को कम्बल और रजाई वितरित की गई है। उन्होंने कहा कि ट्रस्ट खामोशी से अपना काम करता है औ समाज के हर तबके को सम्मान प्रदान कर युवाओं को दिशा देने की ओर अग्रसर है। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों में अनुकरणीय कार्य करने वाले कुल छः वयोवृघ्द्ध नागरिकों को सम्मान पत्र भेंट कर उनके कार्यो को सराहा गया। शिक्षा क्षेत्र में राज्य पुरस्कार प्राप्त शिक्षक हरि प्रसाद रस्तोगी, सामाजिक कार्यो हेतु जुगुल किशोर टण्डन, सोमनाथ मेहरोत्रा, राधे लाल शुक्ल और साहित्य क्षेत्र में सबा बाराबंकवी व बद्र सीतापुरी को सम्मनित किया गया। निर्वाण दिवस के इस विशेष अवसर पर रानी बृज बाला, हारिस कमाल अय्यूबी, मस्त हफीज रहमानी, विजय गौतम, मंजर यासीन, मनीष रस्तोगी, महफूज रहमानी, दीन मोहम्मद रिजवी, फिरोज आलम, मोहम्मद नईम आदि लोग उपस्थित रहे। ट्रस्ट की ओर से सभी को तहरी भोज परोसा गया।

भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा का जिला सम्मेलन सम्पन्न

तम्बौर (सीतापुर)। भारती जनता पार्टी पिछड़ा वर्ग मोर्चा का जिला सम्मेलन कस्बे के कृष्ण पाल सिंह महा विद्यालय में मोर्चा के जिला अध्यक्ष रामजीवन जायसवाल की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय महामंत्री पिछड़ा वर्ग मोर्चा के संगम लाल गुप्ता ने अपने सम्बोधन में कहा कि उत्तर प्रदेश में जन विश्वास यात्रा में चाहे हमारा पिछड़ा वर्ग सम्मेलन हर जिले में हो रहा है। जिस तरीके से पिछड़े समाज में उत्साह है इस तरीके से सिद्ध होता है कि हम तीन सौ के पार सीटें जीतेंगे और उत्तर प्रदेश में एक बार पुनरू सरकार बनाएंगे। इस कपकपाती ठंड में जन विश्वास यात्रा पहुँचती है वहां हजारों लोग एकत्रित हो रहे हैं। हम पिछड़ों के हित में करते है। हम विकास की राजनीति करते हैं हम पिछड़ों के सम्मान की बात करतें है हम ढकोसला नहीं करते सपा हो या बसपा हो। जिन्होंने सरकार तो बनाई कहते थे कि हम पिछड़ों के हितैसी है यह हितैषी पिछड़ों के नहीं बल्कि अपने परिवार के हितैषी है यह पिछड़ों के नाम पर सरकार बनाया जरूर लेकिन पिछड़ों हिट में कोई काम नहीं किया। पिछड़ों को सम्मान मोदी ने व योगी आदित्यनाथ ने चाहे किसान हो या नोजवान हो। उन्होंने कार्यकताओं पर कहा कि भारतीय जनता पार्टी के कार्यकता पूरे जोश में रहते हैं एक चुनाव खत्म होता है तो दूसरे चुनाव की तैयारी में लग जाते है। भारतीय जनता पार्टी विश्व की सबसे बड़ी पार्टी है। वहीं सभा को सीतापुर सांसद राजेश वर्मा, लहरपुर विधायक सुनील वर्मा, पिछड़ा वर्ग मोर्चा के जिलाध्यक्ष रामजीवन जायसवाल, जिला अध्यक्ष अचिन मल्होत्रा ने भी सम्बोधित किया। इस अवसर पर सांसद राजेश वर्मा, विधायक लहरपुर सुनील वर्मा, जिला अध्यक्ष अचिन मल्होत्रा, पूर्व विधायक रामपाल यादव, ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि नीरज वर्मा झल्लर, जय कुमार वर्मा, राम मोहन रस्तोगी, राम संकर शाहू, अशोक राठौर, हरीश पटेल, डॉ0 महेंद्र बंगाली, राम निवास, विश्व वर्मा, राम सेवक, शानू, राम लखन कश्यप, बृजेश रस्तोगी, मनोज प्रजापति, संदीप, जीवन जायसवाल कार्यक्रम का संचालन विश्राम राठौर ने किया।

प्रेस परिषद की आवश्क बैठक सम्पन्न

सीतापुर। प्रेस परिषद की आवश्यक बैठक जिला कार्यालय विकास नगर सीतापुर में सम्पन्न हुई। जिसकी अध्यक्षता जिलाध्यक्ष लक्ष्मीकान्त बाजपेई ने किया। संचालन उपाध्यक्ष धीरज मिश्रा ने किया। सर्व सम्मत से निर्णय लिया गया परिषद द्वारा केन्द्र व राज्य को कई ज्ञापन सौंपे गये लेकिन सरकार इन ज्ञापनो पर कोई विचार नहीं किया परिषद द्वारा निर्णय लिया गया कि प्रदर्शन को तेज करते हुए सरकार के विरूद्ध प्रदर्शन तेज किया जायेगा। 18 जनवरी को जनपद सीतापुर के सभी पत्रकार सिधौली तहसील पर प्रदर्शन करेंगे तथा प्रदेश के सभी अन्य जनपद अपनी अपनी तहसीलों में उपरोक्त तिथि पर विरोध प्रदर्शन करते हुए ज्ञापन सौपेगें। प्रभात मिश्रा ने कहा पत्रकारो पर हो रहे अत्याचार को रोकते हुए राज्य तथा केन्द्र सरकार पत्रकार सरुक्षा कानून बनाकर पत्रकारों के उत्पीडन को रोके। उपाध्यक्ष धीरज मिश्रा ने के कहा कि पत्रकारो के मांग पत्र पर यदि सरकार विचार नही करती है तो संगठन द्वारा और उग्र प्रदर्शन किया जायेगा। इस अवसर पर मनोज निगम, ममता तिवारी, जावेद, अभिषेक अवस्थी, रामनुज मिश्रा, श्रवण कुमार मिश्रा, संजीव कुमार आदि सैकड़ों पत्रकार उपस्थित रहें।

आवश्यक तैयारियों में न बरती जाए लापरवाही : सीएमओ

कोरोना की संभावित तीसरी लहर को देख किया पूर्वाभ्यास

सीतापुर। कोरोना की संभावित तीसरी लहर की आशंका को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने भी अपनी आवश्यक तैयारियां तेज कर दी हैं। कोरोना संक्रमण रोकथाम की तैयारियां की समीक्षा के साथ.साथ रिहर्सल भी शुरू हो गया है। तीन जनवरी के बाद आज चार जनवरी को भी विभाग अपनी तैयारियों और व्यवस्थाओं को परखने के लिए रिहर्सल करेगा। इस संबंध में प्रदेश शासन के अपर मुख्य सचिव अमित मोहन प्रसाद ने एक पत्र जारी कर कोरोना संक्रमण की रोकथाम के लिए सभी आवश्यक तैयारियों को पूरी करने के निर्देश दिए हैं। मौजूदा समय में कोरोना संक्रमण फिर से बढ़ रहा है। ओमीक्रोन की आशंका से भी इनकार नहीं किया जा सकता है। अन्य जगहों पर ओमीक्रोन के केस मिल रहे हैं। अब जनपद में संक्रमण के प्रबंधन की तैयारियों का प्रयोगात्मक विश्लेषण एवं फुल रिहर्सल के दौरान पाई जाने वाली कमियों को चिह्नित कर उनका निस्तारण होगा। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉण् मधु गैरोला ने बताया कि यह मॉकड्रिल की तरह ही यह रिहर्सल किया जा रहा है। इसमें व्यापक तरीके से चिकित्साधिकारियों तथा कर्मचारियों को पूरी तरह प्रशिक्षित किया गया है। उन्होंने बताया है कि यदि कहीं से कोविड पॉजिटिव की जानकारी मिलती है तो उसे किस तरह ट्रीट किया जाएए जहां मरीज को भर्ती रखना है वहां क्या इंतजाम होने हैं तथा क्या व्यवस्था होनी है इसको लेकर स्वास्थ्य कर्मियोंए एम्बुलेंस के ईएमटी और पॉयलट को प्रशिक्षित किया जा रहा है। इस रिहर्सल में लगे सभी चिकित्सकोंए स्वास्थ्य कर्मियों और एम्बुलेंस के लोगों को प्रशिक्षित किया जा रहा है।

बैठक और रिहर्सल से हुई समीक्षा : सुबह सीएमओ कार्यालय में एक बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें सीएमओ डॉण् मधु गैरोला ने चिकित्साधिकारियों और कोविड कमांड हॉस्पिटल के प्रभारी चिकित्साधिकारियों व सभी सीएचसी अधीक्षकों को निर्देश दिए कि कोविड की संभावित तीसर लहर को देखते हुए सभी अपनी आवश्यक तैयारियां पूरी रखे और इसमें किसी भी तरह की लापरवाही न बरती जाए। सीएमओ ने इस संबंध में शासकीय दिशा.निर्देशों की भी जानकारी दी। बैठक में एसीएमओ डॉण् एसके शाही, डॉण् पीके सिंह, डॉ. डीके सिंह, एल टू हॉस्पिटल खैराबाद के प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ. आरएस यादव सहित मिश्रिख, सिधौली, महोली और महमूदाबाद में बनाए गए पीकू वार्ड के प्रभारी चिकित्साधिकारी मौजूद रहे। इसके बाद स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त निदेशक डा. नौशाबा खातून के निर्देशन में .जिला अस्पताल में रिहर्सल किया गया। जिसमें कोविड के मरीज के भर्ती होने की स्थिति में ऑक्सीजन, स्वास्थ्य कर्मियों की उपलब्धता उनके कार्य करने की क्षमता आदि की समीक्षा की गई।

राज्य महिला आयोग की सदस्य सुनीता बंसल करेंगी 5 जनवरी को जनसुनवायी

सीतापुर। जिला प्रोबेशन अधिकारी ने बताया कि मिशन शक्ति फेज.3 के अन्तर्गत महिलाओं से संबंधित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का अधिकतम लाभ दिलाये जाने तथा महिला उत्पीडन की रोकथाम व त्वरित न्याय दिलाये जाने के उद्देश्य से उ0प्र0 राज्य महिला आयोग की सदस्य सुनीता बंसल 5 जनवरी 2022 दिन.बुधवार को अपरान्ह 1 बजे तहसील सदर के सभागार में महिला उत्पीडन एवं पीडिघ्त महिलाओं को त्वरित न्याय दिलाये जाने हेतु जनसुनवाई करेंगी। यदि किसी महिला को कोई शिकायत है तो वह महिला अपनी शिकायत तहसील सदर के सभागार में उपस्थित होकर दर्ज करा सकती है।

शराब की दुकानों का किया गया औचक निरीक्षण, दी गयी चेतावनी

बिसवां नगर (सीतापुर)। मिलावटी शराब की बिक्री की शिकायतों और विधानसभा चुनाव के मद्देनजर उपजिलाधिकारी अनुपम मिश्रा और पुलिस क्षेत्राधिकारी अनुराग सिंह अजेय के नेतृत्व में कस्बे की देसी और विदेशी शराब की दुकानों में आबकारी टीम साथ औचक निरीक्षण किया। संयुक्त टीम ने शंकरगंज दुकान नंबर 1, दुकान नंबर 2ए, बिसवां नंबर 1, बियर नंबर 1, बिसवां अंग्रेजी शराब 2 तथा मुराउ टोला नम्बर 2 पर पहुचकर बोतलों के बार कोड स्टॉक रजिस्टर और अभिलेखों का बारीकी से निरीक्षण किया। दुकानों में गंदगी पाये जाने पर साफ सफाई के लिये निर्देशित किया तथा किसी प्रकार की गड़बड़ी पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई किये जाने की हिदायत दी। इस मौके पर आबकारी निरीक्षक अरुण कुमार यादव एवं अन्य पुलिस कर्मी उपस्थित रहे।

भाजपा किसान मोर्चा द्वारा जिला स्तरीय किसान सम्मेलन संपन्न

हरदोई। संडीला विधानसभा आरपी पैलेस में भाजपा किसान मोर्चा द्वारा जिला स्तरीय किसान सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रुप में प्रदेश उपाध्यक्ष भाजपा एवं प्रदेश प्रभारी किसान मोर्चा माननीय प्रकाश पाल जी विशिष्ट अतिथि प्रदेश कार्यसमिति सदस्य किसान मोर्चा माननीय के डी त्रिवेदी जी क्षेत्रीय उपाध्यक्ष किसान मोर्चा माननीय बृजेश सिंह जी कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष भाजपा किसान मोर्चा श्री विश्वराज सिंह ने की मंच संचालन वरिष्ठ भाजपा नेता विष्णु दयाल शुक्ला जी ने किया । कार्यक्रम में विधायक संडीला राजकुमार अग्रवाल जी विधायक बालामऊ श्री रामपाल वर्मा जी जिला महामंत्री भाजपा अजीत सिंह जी, साथ में अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे । आदरणीय प्रकाश पाल जी ने अपने उद्बोधान में योगी मोदी सरकार के उपयोगी एवं जनकल्याणकारी अनेकों योजनाओं को विस्तार से बताया जिसमें हजारों की संख्या में उपस्थित किसानों में ऊर्जा का संचार हुआ और भाजपा के लिए समर्पण की भावना को व्यक्त किया। अंत में धन्यवाद एवं कार्यक्रम के समापन की घोषणा जिला अध्यक्ष किसान मोर्चा विश्वराज सिंह चौहान जीने की। कार्यक्रम में जिला महामंत्री भाजपा किसान मोर्चा नीरज तिवारी राहुल सिंह जिला उपाध्यक्ष भाजपा किसान मोर्चा कौशल सिंह जितेंद्र सिंह हरिदास जिला मंत्री प्रदीप सिंह पिंटू मानवेंद्र सिंह अमित नारायण शर्मा जी मीडिया प्रभारी सौरव सिंह उपस्थित रहे।

रेडक्रास भवन में 15 का टीकाकरण का शुभारंभ

हरदोई।रेडक्रास भवन में 15 का टीकाकरण का शुभारंभ सभापति डॉक्टर रमेश अग्रवाल ने किया। सचिव करुणा शंकर द्विवेदी ने बताया कि रेडक्रास भवन में सभापति डॉक्टर रमेश अग्रवाल के अथक प्रयासों से 6 जून को टीकाकरण शुरू हुआ था, जिसमें अब तक 35625 लोगों के द्वारा टीकाकरण कराया जा चुका है। आज के टीकाकरण में 15 में टीकाकरण को लेकर उत्साहित दिखे।सभी बच्चों को रेडक्रास सोसायटी की ओर से सभी लोगों को हाईजीन किट प्रदान की गई। इस अवसर पर उपसभापति अखिलेश सिंह सिकरवार, कार्यकारिणी के सदस्य सुनील सिंह आजीवन सदस्य पीयूष बाजपेई, महेश,महेंद्र दीक्षित, अब्दुल बारी आदि उपस्थित रहे।

यह महिलाओं का प्रतिज्ञा सम्मलेन है गर्जना बदलाव की : विद्या नेगी

हरदोई। गोपामऊ विधानसभा के भैसरी गांव में महिलाओं का प्रतिज्ञा सम्मेलन किया गया, जिसका मुख्य उद्देश्य प्रियंका गांधी की प्रतिज्ञाओं को जन जन तक पहुँचाना था। कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप राष्ट्रीय महासचिव महिला कांग्रेस विद्या नेगी, विशिष्ट अथिति के रूप में प्रदेश उपाध्यक्ष प्रियंका मौर्या व सुशीला शर्मा, मुख्य वक्ता के रूप में रजिया कादिर रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता महिला कांग्रेस की जिलाध्यक्ष सुनीता देवी ने की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय महासचिव महिला कांग्रेस विद्या नेगी ने कहा कि प्रियंका गांधी महिलाओं के हक के लिये लड़ रही हैं,जब देश में अराजकता है महिलाएं असुरक्षित हैं, अगर कांग्रेस सरकार बनती है तो बसों में महिलाओं की यात्रा मुफ्त होगी।

जिलाध्यक्ष महिला कांग्रेस सुनीता देवी ने कहा कि महिलाएं अब अपने हक के लिये डटकर लड़ेगी व आधी आबादी है हमारी और हम पूरा हक लेकर रहेगे। प्रियंका ने वादा किया है कि 40:टिकट महिलाओं को देंगे,आप वादा करिये कि उन महिलाओं को सदन भेजने का कार्य आप करेगी ताकि महिलाओं की आवाज सदन में मजबूती से गूंजे।

प्रदेश उपाध्यक्ष महिला कांग्रेस डॉ प्रियंका मौर्या ने कहा कि कांग्रेस के घोषणापत्र में प्रत्येक वर्ष 3 सिलेंडर बिल्कुल मुफ्त मिलेंगे व महिलाओं के एक अलग सेल का गठन किया जायेगा,जिसमें महिलाओं की समस्याओं को जल्द से सुलझाया जा सके। प्रदेश उपाध्यक्ष सुशीला शर्मा ने कहा कि प्रदेश की महिला अब अपने हक के लिए लड़ेगी।प्रदेश सचिव रजिया कादिर ने कहा कि आज प्रदेश की जनता मोदी योगी से त्रस्त आ चुकी है आने वाले चुनाव में वह अपना बदला योगी को हटाकर प्रियंका को मुख्यमंत्री बना कर लेगी। राष्ट्रीय संयोजक छैन्न अमलेंद्र त्रिपाठी ने कहा कि कांग्रेस सरकार पर परीक्षाओ को समय व सुरक्षित रूप से संम्पन कराने के लिए अलग सेल का गठन किया जाएगा व पढ़ने वाली छात्राओ को मुफ्त टैबलेट व स्कूटी दी जाएगी। व

मीडिया प्रभारी भुटटो मिया ने प्रतिज्ञा सम्मेलन में आये हुये सभी जनता का धन्यवाद किया व कहा कि अब यही जनता प्रदेश की डबल इंजन की सरकार को उखाड़ फेंकने का कार्य करेगी।

उक्त कार्यक्रम में मुख्य रूप से पूर्व जिलाध्यक्ष अजय सिंह ,प्रदेश सचिव अमीर अहमद अल्पसंख्यक जिलाध्यक्ष आफताब हैदर, अनुसूचित जाति जिलाध्यक्ष विनीत वर्मा ,शिव कुमार वर्मा , सभासद ललित कश्यप , रियाज अहमद ,हसीब , अरुण कुमार सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

भूख व ठंड से तड़प तड़प कर मरने को विवश गौवंश

हरदोई।बेहटा गोकुल थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम सभा पनेउरा बल्लिया के बरगदिया पुरवा में स्थित गौशाला में भूख प्यास से तड़प तड़प कर गोवंश मर रहे हैं। शासन द्वारा गौवंशों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए योजनाएं चलाई जा रही हैं तुरंत प्रशासन की खाऊ कमाऊ नीति के चलते गौवंशों की दुर्दशा दयनीय है यहाँ कुछ छुट्टा आवारा गोवंश सड़कों पर मर रहे हैं गौवंशों को किसानों ने छुट्टा जानवरों से अपनी फसल को बचाने के लिए खेतों में ब्लेड वाले तार लगा रखे हैं। छुट्टा गौवंश आए दिन सड़क दुर्घटना व ब्लेड वाले तारों की चपेट में आने से गंभीर घायल हो रहे हैं। कुछ छुट्टा मवेशी इलाज के अभाव में तड़प तड़प कर मरने को विवश हैं। गौशाला में गौवंशों की ना तो सही तरीके से तिरपाल है ना ही ठंड से बचने के लिए कोई व्यवस्था है और ना ही भूसा पानी की कोई व्यवस्था है और ना ही कोई छत पर टीन शेड पड़ा है। महेश कुमार ने बताया कि हमारा 4 महीने से पैसा नहीं मिल रहा है। बनी गौशाला में लगभग 40 से 45 गाय हैं और धान वाले पईरे को चारा बना कर डालते हैं। इन्हीं सब कमी के कारण बेजुबान पशु तड़प तड़प कर मरने को विवश हैं जिन पशु पालकों ने आवारा गौवंशों को छोड़ा है, और कुछ जिम्मेदार गौ संरक्षको को व उन्हें चिन्हित करके कड़ी कार्यवाई करें और छुट्टा गौवंशों को गौ–आश्रय स्थलों में बंद कराएं जाए और घायल पशु को तत्काल गौशाला में समुचित उपचार के लिए प्रवेश दिलाएं ,जिससे किसान और गाय दोनों सुरक्षित रह सकते हैं।

मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड की मासिक बैठक संपन्न

हरदोई। समाजवादी पार्टी कार्यालय पर मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड के जिलाध्यक्ष नीरज अवस्थी की अध्यक्षता में मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड की मासिक बैठक सम्पन्न हुई। जिसमें यूथ ब्रिगेड के जिलाध्यक्ष नीरज अवस्थी ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा सभी पदाधिकारी मजबूती से लगकर प्रचार करें।उन्होंने कहा, सपा का गठबंधन बीजेपी को सत्ता से उखाड़ कर फेंक देगा। समाजवादी पार्टी सभी जाति धर्म के लोगों को साथ लेकर चल रही है। सपा सरकार में सभी के लिए विकास कार्य कराए गए थे, उन्होंने सभी पदाधिकारी अपनी अपनी विधानसभा में समाजवादी पार्टी की सरकार में हुए विकास कार्यों का प्रचार प्रसार करें।उन्होंने कहा कि जो पदाधिकारी जिस गाँव का है उसे उसी गाँव के बूथ पर मजबूती से कार्य करना है। उन्होंने कहा जो सरकारी अधिकारी बीजेपी सरकार के पदाधिकारी बनकर कार्य कर रहे हैं सरकार आने पर उनका भी हिसाब किया जाएगा। जिलाध्यक्ष ने कहा कि नई वोटर लिस्ट आते ही सभी अपने अपने बूथ पर जाकर लिस्ट चेक करे, उनका वोट कटा तो नहीं है अगर वोट गलत तरह से काट दिया गया है तो उसे तुरंत बनवाने के लिए फॉर्म भरवाएं। उन्होंने कहा कि दिव्यांग जनों व 80 साल से ऊपर के बुजुर्गो के वोट बूथ पर डलवाने के लिए प्रेरित करें।यूथ महासचिव शराफत अली ने कहा कि जनता का इंकलाब होगा।2022 में बदलाव होगा।बैठक में प्रमुख रूप से यूथ ब्रिगेड के जिला उपाध्यक्ष अभी अग्निहोत्री,जिला उपाध्यक्ष हरिशंकर यादव, जिला उपाध्यक्ष अमित कुमार, जिला उपाध्यक्ष प्रदीप शुक्ला,नगर अध्यक्ष रजत अवस्थी,रवि चतुर्वेदी, श्रीलाल,विकाश पाल,पुष्पेंद्र राठौर,नईम खां आदि पदाधिकारी उपस्थित रहे।

द टैलेंट अवॉर्ड शो सीजन २ के अंतर्गत रनवे नाइट शो का आयोजन संपन्न

हरदोई।द टैलेंट अवॉर्ड शो सीजन २ के अंतर्गत हरदोई रनवे नाइट शो का आयोजन किया गया जिसमे हरदोई, लखनऊ ,बाराबंकी, रायबरेली सहित अन्य जिलों के प्रतिभागियों ने भाग लेकर मंच पर अपना जलवा बिखेरा। कार्यक्रम देर शाम तक जारी रहा। कार्यक्रम का प्रारंभ दीप प्रज्वलन से हुई जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में नगर पालिका अध्यक्ष के पुत्र मिलन मिश्र ने व लखनऊ से आए डांस के निर्णायक अंकुर सिंह श्एंजेलश तथा अन्य लोगों ने दीप प्रज्वलन कर किया। कार्यक्रम की शुरुआत में नृत्य विधा के प्रतिभागियों ने स्टेज पर उतर कर अपना जलवा दिखाया। लगभग डेढ़ दर्जन प्रतिभागी डांस की प्रतियोगिता में शामिल हुए। उसके बाद रनवे शो की शुरुआत हुई जिसमें प्रतिभागियों ने ग्लैमर का तड़का लगाया। चार राउंड की प्रतियोगिता में पहले राउंड में एथनिक पहनावे में प्रतिभागियों ने रैंप पर वॉक की। उसके बाद फंकी राउंड हुआ जूनियर डांस प्रतियोगिता में पूर्णिमा को तीसरा पुरस्कार आराध्या सिंह परी को दूसरा तथा सौर्ययांशी कश्यप को विनर घोषित किया गया। वहीं सीनियर में अभी स्काई तृतीय ऋषभ राजवंशी द्वितीय शिवाय श्रीवास्तव को विनर घोषित किया। गया कार्यक्रम का संचालन लखनऊ से आई ऐश्वर्या तथा लखनऊ से ही आए एंकर जैन ने किया कार्यक्रम के आयोजक अंशु गुप्ता ने सभी का आभार जताया। इस मौके पर अरुण गुप्ता , आयुष रस्तोगी , रजत पाठक , उत्कर्ष त्रिपाठी , साक्षी वर्मा , वैशाली सिंह ,नवल किशोर , मनीष कुमार व मुंबई से आए दानिश मालिक व शायर आकाश चौधरी और मोडलिंग कोरियोग्राफर दीप सच्चर व पुरुजित सिंह उपस्थित रहे।

हिन्दी दैनिक
बुद्ध का संदेश
समाचार पत्र
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स, ज्योतिनगर, मधुकरपुर, निकट हीरो होंडा एजेन्सी, सिद्धार्थनगर, 272207 उ.प्र. से मुद्रित एवं प्रकाशित।
आर.एन.आई. नं.– UPHIN/2012/49458
संस्थापकः– स्व. के.सी. शर्मा
सम्पादकः– राजेश कुमार शर्मा
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एंव सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इन से उत्पन्न समस्त विवाद जनपद सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।
8795951917, 9453824459
ई-न्यूज पेपरः- www.budhakasandesh.com
E-Mail ID:. budhakasandeshnews@gmail.com

किडनी रोगियों के लिए लाभदायक हैं इन पेय पदार्थों का सेवन

किडनी शरीर के मुख्य अंगों में से एक है, जो खून को साफ करके शरीर से जहरीले तत्वों को बाहर निकालने में मदद करती है। हालांकि, जब किसी कारणवश किडनी की कार्यक्षमता प्रभावित होने लगती है तो यह कई तरह की बीमारियों की चपेट में आ जाती है। अगर आप किसी किडनी की बीमारी से ग्रस्त हैं तो कुछ स्वास्थ्यवर्धक पेय पदार्थों को डाइट में शामिल करके आपको बीमारी के जोखिम कम करने में काफी मदद मिल सकती है।

पानीः अगर आप किडनी से जुड़ी किसी बीमारी से ग्रस्त हैं तो आपको पानी के सेवन पर अतिरिक्त ध्यान देना चाहिए। दरअसल, पेशाब के जरिए शरीर के विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने के लिए किडनी को पानी की जरूरत होती है और जब रोगी कम पानी पीता है तो पेशाब की मात्रा कम हो जाती है और पेशाब कम बनने से किडनी की बीमारी बढने लगती है। इसलिए किडनी रोगी रोजाना 10–12 गिलास पानी पीने का लक्ष्य तय कर लें।

ग्रीन टीः ग्रीन टी कई जरूरी पोषक तत्वों के साथ–साथ एंटी–ऑक्सीडेंट गुणों से समृद्ध होती है। एंटी–ऑक्सीडेंट शरीर से मुक्त कणों को दूर करने में मदद करते हैं। ये मुक्त कण किडनी की बीमारियों को बढ़ावा देने या फिर स्वस्थ किडनी को नकारात्मक प्रभाव डाल सकते हैं, इसलिए अगर आप किसी तरह की किडनी की बीमारी से ग्रस्त हैं तो अपनी डाइट में ग्रीन टी को जरूर शामिल करें। हालांकि, ध्यान रखें कि ग्रीन टी बिना चीनी की होनी चाहिए।

क्रैनबेरी का जूसः किडनी की बीमारियों के जोखिम कम करने या फिर स्वस्थ किडनी की कार्यक्षमता को सुधारने में क्रैनबेरी के जूस का सेवन भी सहायक हो सकता है। दरअसल, यह किडनी में मौजूद कीटाणु और विषाक्त पदार्थों को दूर करने के साथ ही बीमारियों के जोखिम कम करने में सहायक हो सकता है, इसलिए रोजाना क्रैनबेरी के जूस का सेवन करें। हालांकि, ध्यान रखें कि बिना चीनी का क्रैनबेरी जूस का सेवन ही किडनी और पूरे शरीर के लिए लाभदायक होता है।

ब्लैक कॉफीः ब्लैक कॉफी का सेवन भी किडनी के रोगियों के लिए बहुत फायदेमंद साबित हो सकता है। कई अध्ययनों के मुताबिक, कॉफी बीन्स में कई खास एंटी–ऑक्सीडेंट, पॉलीफेनोल और कैफीन जैसे तत्व मौजूद होते हैं जो किडनी की बीमारियों के जोखिम कम करने में मदद कर सकते हैं। हालांकि, ध्यान रखें कि चीनी और क्रीम आदि चीजों के बिना सीमित मात्रा में कॉफी पीना ही किडनी रोगियों के लिए लाभदायक है।

बॉलीवुड में काम करने को तैयार हैं साउथ की स्टार साई पल्लवी

साउथ से कई अभिनेत्रियां बॉलीवुड की ओर रुख कर चुकी हैं और अब इस फेहरिस्त में दक्षिण भारतीय सिनेमा की जानी–मानी अभिनेत्री साई पल्लवी भी शामिल होने वाली हैं। साई को ना सिर्फ साउथ, बल्कि बॉलीवुड में भी खूब पसंद किया जाता है और उन्हें

अब तक कई हिंदी फिल्मों के प्रस्ताव भी मिल चुके हैं। हाल ही में जब साई से इस बारे में बात की गई तो उन्होंने क्या जवाब दिया, आइए जानते हैं। साई से पूछा गया कि क्या वह बॉलीवुड में काम करना चाहती हैं तो उन्होंने कहा, मैं बॉलीवुड फिल्म का हिस्सा बनने के लिए तैयार हूं, बशर्ते फिल्म की कहानी अच्छी होनी चाहिए और मेरा रोल ऐसा हो, जो मुझ पर सूट करे। मेरे लिए फिल्म की कहानी बहुत मायने रखती है। अच्छी कहानी मिल गई तो मैं बॉलीवुड में अपना डेब्यू कर लूंगी। साई की बातों से लगता है कि वह खुद को साउथ तक सीमित नहीं रखना चाहतीं। साई आजकल फिल्म श्याम सिंघा रॉय को लेकर खूब सुर्खियां बटोर रही हैं। इसमें उनके साथ साउथ के सुपरस्टार नानी नजर आए हैं। फिल्म में ना सिर्फ नानी, बल्कि साई की भी खूब तारीफ हो रही है। सोशल मीडिया पर तो यूजर्स का कहना है कि यह अभिनेत्री की अब तक की सबसे शानदार परफॉर्मेंस है। फिल्म दर्शकों को सिनेमाघरों तक खींचने में कामयाब रही है। राहुल सांकृत्यायन के निर्देशन में बनी यह फिल्म 24 दिसंबर को रिलीज हुई है। साई की अगली पीरियड ड्रामा फिल्म विराट पर्वम का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। इसमें उनकी जोड़ी बाहुबली में भल्लादेव बनकर मशहूर हुए अभिनेता राणा दग्गुबाती के साथ बनी है। खास बात यह है कि दोनों को पहले कभी पर्दे पर साथ नहीं देखा गया था। फिल्म 1990 के दशक की सच्ची घटनाओं से प्रेरित है, जिसमें राणा ने कॉमरेड रावण की भूमिका निभाई है। फिल्म राणा और साई की यात्रा और युद्ध में उनकी प्रेम कहानी को दर्शाएगी। अपनी पहली ही फिल्म फिदा के साथ तेलगु अभिनेत्री साई पल्लवी ने दर्शकों का दिल जीत लिया था। वह अपने अलग किरदारों के लिए जानी जाती हैं। एक्टर होने के साथ–साथ साई एक ट्रेंड डांसर भी हैं। उनकी खासियत पर्दे पर कम मेकअप और अपने चेहरे को जस का तस पेश करना है। साई कहती हैं कि वह सुंदर दिखने के लिए कभी मेकअप का इस्तेमाल नहीं करतीं। इस वजह से साई सिने प्रेमियों के बीच जबरदस्त लोकप्रिय हैं। साउथ के बाद श्रीदेवी ने बॉलीवुड में कदम रखा था और कई सुपरहिट फिल्में दीं। श्रुति हासन ने लक से तो तापसी पन्नू ने चश्मेबद्दूर से बॉलीवुड में एंट्री की। काजल अग्रवाल ने सिंघम, वहीं इलियाना डिक्रूज ने बर्फी से बॉलीवुड में आगाज किया था।

नए साल का छुट्टी मनाकर मुंबई लौटे अनन्या और ईशान

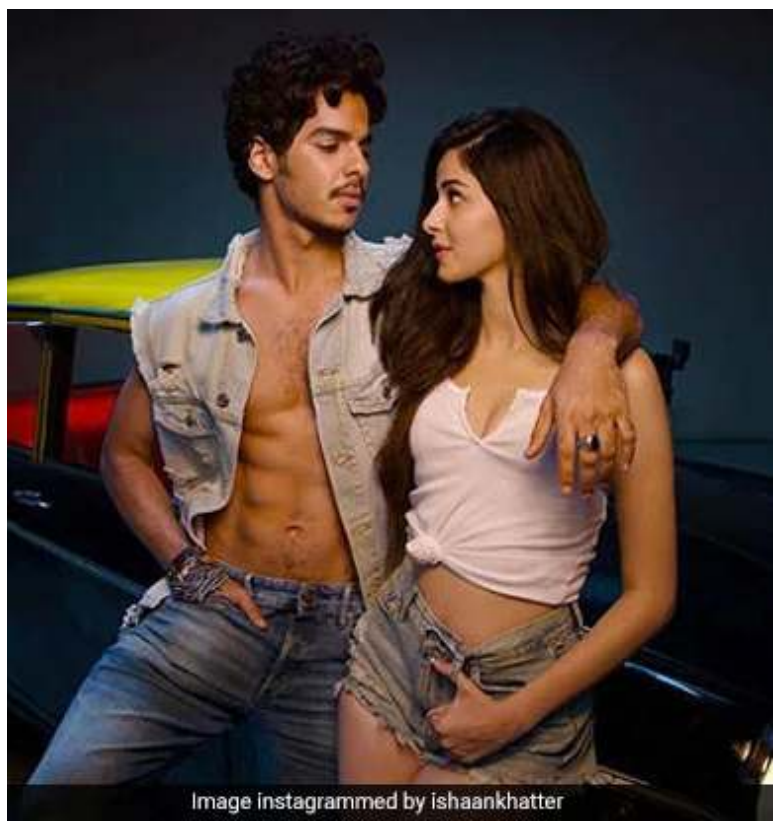

अनन्या पांडे और ईशान खट्टर काफी समय से अपने अफेयर को लेकर सुर्खियों में हैं। हालांकि, उन्होंने अपना रिश्ता स्वीकार नहीं किया है। दोनों अपने रिश्ते को दोस्ती का नाम देते फिरते हैं। 2021 में वे साथ छुट्टियां मनाते दिखे थे और 2022 की शुरुआत भी ईशान और अनन्या ने साथ में की। हाल ही में दोनों विदेश से छुट्टी मनाकर मुंबई एयरपोर्ट पर दिखाई दिए, जिसके बाद उनका रिश्ता और पुख्ता हो गया।

अनन्या और ईशान ने कुछ ही दिन पहले नए साल का जश्न मनाने के लिए मुंबई एयरपोर्ट से अलग–अलग उड़ान भरी थी। सोशल मीडिया पर उनकी एक कॉमन फोटो भी सामने आई थी, जिसने उनकी इस सीक्रेट वेकेशन की पोल खोल दी थी। हालांकि, वेकेशन से वापसी दोनों ने साथ में की। वे मुंबई एयरपोर्ट पर साथ नजर आए। उनका एक वीडियो विरल भयानी ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया है, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

ईशान–अनन्या पिछले काफी समय से मीडिया और अपने प्रशंसकों के साथ लुका छिपी खेल रहे हैं। अक्टूबर, 2021 में अनन्या नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की रडार पर आई थीं, उस समय ईशान उनका समर्थन करते दिखे थे। ईशान को अनन्या के लिए बांद्रा में फूल खरीदते और उनके घर उनसे मिलने जाते देखा गया था। एक सूत्र ने इस बात की पुष्टि भी भी की थी कि ईशान सही में अनन्या और उनके परिवार का हालचाल लेने आए थे।

अनन्या से पहले ईशान, जान्हवी कपूर के साथ अपने अफेयर को लेकर चर्चा में थे। फिल्म धड़क की शूटिंग से पहले ही दोनों की नजदीकियों से गपशप गली गुलजार थीं। हालांकि, फिर उनकी राहें जुदा हो गईं और ईशान का नाम अनन्या से जुडने लगा।

अनन्या और ईशान ने फिल्म खाली पीली में साथ काम किया था। इसी फिल्म के सेट पर दोनों का प्यार परवान चढ़ा था। फिल्म की शूटिंग के दौरान दोनों एक–दूसरे के करीब आए थे। फिल्म दो साल पहले रिलीज हुई थी और इसकी रिलीज के बाद भी अनन्या–ईशान का रिश्ता बरकरार रहा। हालांकि, दोनों के अभिनय से सजी इस फिल्म को दर्शकों ने नकार दिया था, लेकिन अनन्या और ईशान की डेटिंग की खबरों ने जमकर सुर्खियां बटोरी थीं।

अनन्या जल्द ही निर्देशक शकुन बत्रा की फिल्म गहराइयां में नजर आएंगी। इस फिल्म के जरिए वह पहली बार दीपिका पादुकोण और सिद्धांत चतुर्वेदी के साथ काम कर रही हैं। वह फरहान अख्तर की फिल्म खो गए हम कहां में भी अपनी मौजूदगी दर्ज कराएंगी। दूसरी तरफ ईशान काफी समय से फिल्म पिप्पा को लेकर सुर्खियों में हैं। इसमें उनके साथ अभिनेत्री मृणाल ठाकुर दिखाई देंगी। वह कैटरीना कैफ के साथ फिल्म फोन भूत में भी नजर आएंगे।

दबंग 4 का निर्देशन करेंगे तिग्मांशु धूलिया, चुलबुल पांडे बनकर लौटेंगे सलमान

सलमान खान को यूं ही सुपरस्टार का तमगा नहीं मिला है। एक हीरो के रूप में उनकी बहुत बड़ी फैन फॉलोइंग है। काफी समय दर्शक उनकी फिल्म दबंग 4 का इंतजार कर रहे हैं। हाल में सलमान ने अपने भाई अरबाज खान के शो में यह पुष्टि की थी कि वह दबंग 4 लेकर आ रहे हैं। अब सुनने में आ रहा है कि इस फिल्म का निर्देशन तिग्मांशु धूलिया करेंगे। एक बार फिर सलमान चुलबुल पांडे बनकर लौटेंगे।

रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्ममेकर तिग्मांशु सलमान की फिल्म दबंग 4 की स्क्रिप्ट पर काम कर रहे हैं। एक सूत्र ने बताया, तिग्मांशु दबंग 4 की स्क्रिप्ट पर एक साल से अधिक समय से काम कर रहे हैं। अगले साल इस फिल्म का नैरेशन शुरू हो जाएगा। सलमान दबंग फ्रेंचाइजी के लिए तिग्मांशु के मूल विचार और दृष्टिकोण से प्रभावित हैं। पूरी टीम चुलबुल पांडे के कैरेक्टर के लिए एक नया दृष्टिकोण लाने की कोशिश कर रही है।

खबरों की मानें तो सलमान और उनके प्रोड्यूसर भाई अरबाज दोनों को लगता है कि तिग्मांशु इस फिल्म के लिए सही पसंद हैं। सूत्र ने बताया की सलमान फिल्म की अगली कड़ी में पुलिस का किरदार निभाएंगे या राजनीति की दुनिया में प्रवेश करेंगेय इसका पता स्क्रिप्ट पूरा होने के बाद चलेगा। इसी के साथ सलमान के प्रशंसकों का उत्साह और बढ़ गया है। अभी फिल्म के अन्य कलाकारों के बारे में जानकारी सामने नहीं आई है।

तिग्मांशु ने साहेब बीवी और गैंगस्टर और पान सिंह तोमर जैसी फिल्मों में काम किया है। पान सिंह तोमर को सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म का राष्ट्रीय पुरस्कार भी मिला था। इसमें दिवंगत अभिनेता इरफान खान नजर आए थे।

दबंग के साथ सलमान ने इतिहास रचा। पहली बार दर्शकों ने उन्हें एक साथ कॉमेडी, ड्रामा और एक्शन करते देखा। यही वजह थी कि चुलबुल पांडे (सलमान) के आते ही दर्शकों ने उसके सिर पर बॉक्स ऑफिस किंग का ताज पहनाया। सलमान की फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त कमाई की थी। दबंग में सलमान के अपोजिट सोनाक्षी सिन्हा को देखा गया था। सोनाक्षी रज्जो पांडे की भूमिका में थीं। फिल्म में चुलबुल और रज्जो की केमिस्ट्री देखने लायक थी। 2012 में दबंग का सीक्वल दबंग 2 बना, जो दर्शकों की कसौटी पर खरा उतरा। फिल्म में एक बार फिर चुलबुल पांडे और रज्जो उर्फ सोनाक्षी की केमिस्ट्री ने दर्शकों का दिल जीत लिया। प्रेम के अलावा अगर सलमान का एक अवतार दर्शकों के दिलों पर राज करता था, तो वो था चुलबुल। हालांकि, दबंग 3 के साथ चुलबुल की वापसी दर्शकों को खुश नहीं कर पाई। इस सीरीज के तीसरे पार्ट ने दर्शकों को निराश कर दिया था।

सिर की मालिश से मिल सकते हैं ये स्वास्थ्य लाभ

अमूमन लोगों को लगता है कि सिर की मालिश से स्कैल्प और बालों को ही फायदा पहुंचता है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि इनके साथ ही कई समस्याओं के उपचार के तौर पर सिर की मालिश करना लाभदायक है। कुछ मिनट सही तरीके से की गई सिर की मालिश से माइग्रेन के दर्द से लेकर अनिद्रा की समस्या दूर हो सकती है। आइए आज सिर की मालिश से मिलने वाले फायदों के बारे में जानते हैं।

माइग्रेन का दर्द होगा दूर

अगर आप माइग्रेन की समस्या से ग्रस्त हैं तो इसके दर्द से राहत दिलाने में सिर की मालिश काफी मदद कर सकती है। दरअसल, माइग्रेन के कारण सिर के दोनों ओर या एक तरफ रुक–रुककर भयानक दर्द का सामना करना पड़ता है, जिसे दूर करने के लिए थोड़े से दबाव के साथ सिर की मालिश करें। इस सिर की मालिश से मस्तिष्क में रक्त के प्रवाह में सुधार होता है और माइग्रेन का दर्द दूर हो सकता है।

आराम

चिंता और तनाव से मिलेगा आराम

भागदौड़ भरी जिंदगी के कारण आजकल हर किसी की जिंदगी चिंता और तनावपूर्ण बन गई है। ऐसे में हर कोई ज्यादा सोचने, टेंशन और तनाव जैसे मानसिक विकारो का शिकार बन चुका है, जिनका दिमाग ही नहीं बल्कि पूरी सेहत पर बुरा असर पड़ता है। हालांकि, सिर की मालिश से इन मानसिक विकारों से भी राहत मिल सकती है। इसके लिए सिर की मालिश करते समय आइब्रो की बीचो–बीच हल्के हाथों से दबाव डालें।

में करें मदद

हाई ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करने से हाई ब्लड प्रेशर को नियंत्रित रखने में भी सही तरीके से की गई सिर की मालिश गंभीर समस्या है क्योंकि इससे मधुमेह, स्ट्रोक, किडनी फेल होना, मदद मिल सकती है। हाई ब्लड प्रेशर एक कई शोध के अनुसार, रोजाना कुछ मिनट सिर की मालिश करने से तनाव दिल की बीमारी होने की संभावना बढ़ जाती है। प्रेशर के स्तर को सामान्य करने में मदद मिल सकती है। हार्मोन के स्तर में गिरावट आने लगती है, जिनसे ब्लड

अनिद्रा से मिलेगी आजादी

मानसिक बीमारियों के कारण भी नींद प्रभावित होती है। सोने की कोशिश किसी भी कारणवश देर रात तक उठे रहना या कुछ करना और कोशिश के बाद भी नींद का न आना आदि शरीर को कई बीमारियों का घर बनाता है। हालांकि, सिर की मालिश आपको अच्छी नींद लेने में काफी मदद कर सकती है क्योंकि यह आपके दिमाग को शांत और आराम देती हैं,